ISBN : 978-93-7029-548-3

सितम्बर, 2025 | वर्ष - 05 | अंक - 09

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे (प्रधान संपादक)
डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय (संपादक)

संस्करण
संस्करण : 2025
पृष्ठ : 39
आकार : A4

प्रकाशन
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर
उत्तर प्रदेश - 273007
फोन : 9999764424, 8765005177
ईमेल : mguniversitygkp@mgug.ac.in

सम्पादकीय

युवाओं में जीवनशैली रोग और आयुर्वेदिक समाधान

आज के समय में युवा वर्ग सबसे अधिक ऊर्जावान, सृजनशील और प्रगतिशील माना जाता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली की तेज़ रफ्तार, अनियमित आहार-विहार, तनाव और डिजिटल जीवन के अत्यधिक प्रभाव ने युवाओं को भी जीवनशैली-जनित रोगों की चपेट में ला दिया है। इनमें मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉयड असंतुलन, मानसिक तनाव, अवसाद और अनिद्रा जैसी समस्याएँ प्रमुख हैं। यह रोग अचानक नहीं आते, बल्कि वर्षों तक असंतुलित जीवनशैली, गलत आहार और व्यायाम की कमी के कारण धीरे-धीरे विकसित होते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में होने वाली मौतों का लगभग 70 प्रतिशत कारण जीवनशैली रोग हैं। भारत में भी युवाओं के बीच 30 वर्ष से पहले हार्ट अटैक, टाइप-2 डायबिटीज़ और स्ट्रोक जैसी बीमारियाँ देखने को मिल रही हैं। देर रात तक जागना, जंक फूड का सेवन, शारीरिक श्रम की कमी, अधिक समय तक मोबाइल का प्रयोग, स्क्रीन टाइम का अधिक होना और मानसिक तनाव इसकी प्रमुख वजहें हैं।

पश्चिमी चिकित्सा जगत ने अब यह स्वीकार किया है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। यही कारण है कि वहां पीपीपीएम मॉडल (Predictive, Preventive, Personalçed, Participatory Medicine) विकसित किया गया है। इस मॉडल का उद्देश्य यह है कि व्यक्ति की आनुवंशिक प्रवृत्ति, पर्यावरण और जीवनशैली के आधार पर रोग की संभावना का पूर्वानुमान लगाया जाए और रोग के विकसित होने से पहले ही उसकी रोकथाम की जाए।

जीनोमिक्स और आधुनिक तकनीकें इस मॉडल का आधार है, परंतु इनका व्यावहारिक लाभ तभी संभव है जब व्यक्ति स्वयं अपनी जीवनशैली में संतुलन लाए। यही वह बिंदु है जहाँ आयुर्वेद और पश्चिमी चिकित्सा एक.दूसरे के पूरक बन सकते हैं। स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं आतुरस्य विकार प्रशमनं च अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण और आतुर के विकार अर्थात रोग को ठीक करना ही आयुर्वेद का प्रयोजन है ऐसा चरक संहिता कहती है।

आयुर्वेद केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि स्वस्थ रहने की कला सिखाता है। इसमें आहार, विहार, आचार और विचार पर समान रूप से ध्यान दिया गया है। आयुर्वेद मानता है कि दैनिक दिनचर्या (दिनचर्या), ऋतुचर्या (मौसमी दिनचर्या) और मानसिक संतुलन बनाए रखना स्वास्थ्य का मूल आधार है।

1. **मधुमेह :** युवाओं में जंक फूड, शर्करा युक्त पेय और शारीरिक निष्क्रियता के कारण मधुमेह बढ़ रहा है। आयुर्वेदिक समाधान-मेथी, करेला, गुड़मार जैसी औषधियाँ रक्तशर्करा को संतुलित करने में सहायक हैं। भोजन में धान्य (जौ, कोदो, रागी) का उपयोग लाभकारी है। नियमित प्राणायाम और योगासन (विशेषकर सूर्य नमस्कार और मंडूकासन) पाचन और अग्नि को संतुलित करते हैं।

2. **उच्च रक्तचापः** तनाव, देर रात तक जागना और मानसिक दबाव इसके मुख्य कारण हैं। आयुर्वेदिक समाधान- अ□वगंधा, अर्जुन छाल, जटामांसी हृदय को मज़बूत करते हैं। सोने-जागने की निश्चित दिनचर्या अपनाना। ध्यान, प्राणायाम और नियमित व्यायाम से रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

3. **मोटापाः** युवा पीढ़ी में सबसे तेज़ी से बढ़ती समस्या है। आयुर्वेदिक समाधान- त्रिफला, गुग्गुलु और हिंगुल जैसी औषधियाँ वसा चयापचय को संतुलित करती हैं। सुबह गुनगुना पानी पीना और उष्ण जल स्नान लाभकारी है। कपालभाति और सूर्य नमस्कार नियमित करने से मोटापा घटता है।

4. **मानसिक रोग :** तनाव, अवसाद, अनिद्रा) रू कैरियर की दौड़, असंतुलित जीवन और सोशल मीडिया का दबाव युवाओं को मानसिक रोगों की ओर धकेल रहा है। आयुर्वेदिक समाधान- ब्रह्मी, शंखपुष्पी और जटामांसी जैसी औषधियाँ स्मरण शक्ति और मानसिक शांति प्रदान करती हैं। ध्यान, योगनिद्रा और मंत्र-जप तनाव कम करते हैं। रात में देर तक मोबाइल का उपयोग न करना और पर्याप्त नींद लेना अनिवार्य है। भावनात्मक स्वास्थ्य का महत्व-आयुर्वेद मानता है कि मनःप्रसादः स्वस्थस्य मूलम् अर्थात मानसिक शांति ही स्वास्थ्य का आधार है। यदि व्यक्ति भीतर से प्रसन्न है, तो रोगों की संभावना कम हो जाती है। युवाओं को चाहिए कि वे सकारात्मक सोच, आत्मसंयम और सृजनात्मक गतिविधियों को जीवन का हिस्सा बनाएं। समन्वित चिकित्सा की दिशा-यदि पश्चिमी चिकित्सा का वैज्ञानिक निदान और तकनीकी प्रगति तथा आयुर्वेद का जीवनशैली.आधारित निवारक दृष्टिकोण साथ आ जाए तो युवाओं के लिए एक संतुलित, प्रभावी और दीर्घकालिक स्वास्थ्य मॉडल विकसित हो सकता है। यह मॉडल न केवल रोगों को रोकेगा, बल्कि भविष्य की पीढ़ी को भी स्वस्थ जीवन की दिशा देगा।

युवाओं में जीवनशैली रोग केवल चिकित्सा की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौती भी है। यदि समय रहते जीवनशैली में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में यह और गंभीर रूप धारण कर सकते हैं। आयुर्वेद हमें यह सिखाता है कि स्वास्थ्य केवल रोग का अभाव नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा का संतुलन है। अतः आवश्यकता है कि युवा वर्ग आयुर्वेदिक सिद्धांतों जैसे संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, मौसमी जीवनशैली, योग और ध्यान को अपने जीवन का हिस्सा बनाए। यही वह मार्ग है जो उन्हें जीवनशैली रोगों से बचाकर एक दीर्घायु, स्वस्थ और प्रसन्न जीवन प्रदान कर सकता है।

श्रावणी पूर्णिमा और संस्कृत दिवस : एक सांस्कृतिक दृष्टि

भारतीय संस्कृति में श्रावणी पूर्णिमा का विशेष महत्व है। यह तिथि धार्मिक, सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। श्रवण मास की पूर्णिमा को रक्षाबन्धन, यज्ञोपवीत संस्कार एवं ऋषि-तर्पण की परम्परा से जोड़ा गया है। वैदिक परम्परा के अनुसार इस दिन यज्ञेपवीत धारण कर वेदाध्ययन की पुनः शुरुआत की जाती है। यह दिवस न केवल अध्यात्म और विद्या की ओर उन्मुख करता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, पवित्रता और संस्कारों को भी सुदृढ़ करता है।

इसी दिन रक्षा-बन्धन का पर्व विशेष रूप से लोकप्रिय है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु और सुरक्षा की कामना करती हैं। भाई उन्हें सदा संरक्षण और स्नेह प्रदान करने का वचन देता है। यह पर्व केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, विश्वास और सौहार्द का संदेश भी देता है। आज के समय में यह पर्व सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना को पुष्ट करने का माध्यम बन गया है।

इसी दिन संस्कृत दिवस भी मनाया जाता है। संस्कृत को देववाणी और भारतीय संस्कृति की जननी कहा जाता है। यह भाषा न केवल प्राचीन ज्ञान परम्परा का आधार है, बल्कि आज भी योग, ध्यान और आयुर्वेद जैसे शास्त्रों के वैश्विक प्रसार का माध्यम है। संस्कृत में निहित वैदिक साहित्य, उपनिषद, गीता, महाकाव्य और आयुर्वेदिक ग्रंथ भारतीय जीवन को दिशा प्रदान करते आए हैं। इस भाषा में केवल आध्यात्मिकता ही नहीं, बल्कि चिकित्सा, गणित, खगोल और विज्ञान से संबंधित गहन ज्ञान भी सुरक्षित है।

आज जब आधुनिक युग में लोग स्वास्थ्य, योग और प्राकृतिक चिकित्सा की ओर लौट रहे हैं, तब संस्कृत का महत्व और भी बढ़ जाता है। आयुर्वेद और योग की संहिताओं को संस्कृत भाषा के माध्यम से ही समझा जा सकता है। यही कारण है कि संस्कृत दिवस मनाकर हम न केवल एक भाषा का सम्मान करते हैं, बल्कि अपने ज्ञान-विज्ञान और आरोग्य परम्परा की जड़ों से जुड़ते हैं।

श्रवणी पूर्णिमा और संस्कृत दिवस का संगम अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ओर रक्षा-बन्धन हमें कर्तव्य, सुरक्षा और प्रेम का संदेश देता है, वहीं संस्कृत दिवस हमें विद्या, संस्कृति और ज्ञान की धरोहर को संरक्षित करने का आह्वान करता है। यह पर्व हमें यह भी स्मरण कराता है कि यदि हम अपनी परम्पराओं और भाषा से जुड़े रहें तो जीवन अधिक संस्कारित, स्वास्थ्यप्रद और समृद्ध हो सकता है।

श्रवणी पूर्णिमा और संस्कृत दिवस भारतीय जीवन-दर्शन के दो ऐसे आयाम हैं जो परम्परा और प्रगति दोनों को एक सूत्र में बाँधते हैं। यह पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक और आरोग्यपरक संदेश का वाहक है। आज आवश्यकता है कि हम इन अवसरों के महत्व को समझें और भावी पीढ़ियों तक इस ज्ञान और संस्कृति को पहुँचाएं। यही सच्चा उत्सव होगा और यही हमारी धरोहर की रक्षा भी।

गार्गी : भारतीय दर्शन की अप्रितम विदुषी

भारतीय ज्ञान परंपरा में गार्गी वाचक्नवी का नाम अत्यंत आदर और गौरव से लिया जाता है। वेदों और उपनिषदों में जिन स्त्री ऋषियों का उल्लेख है, उनमें गार्गी का स्थान सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। वे केवल एक विदुषी ही नहीं, बल्कि वैदिक युग में स्त्री-शक्ति और जिज्ञासा का प्रतीक थीं।

गार्गी वाचक्नवी महर्षि वचक्नु की कन्या थीं। ऋग्वेद में गार्गी सहित कई ब्राह्मवादिनी स्त्रियों का उल्लेख मिलता है। 'ब्राह्मवादिनी' उपाधि उन स्त्रियों को दी जाती थी जो ब्रह्मविद्या में पारंगत होती थीं और शास्त्रार्थ में भाग लेती थीं। गार्गी की विशेषता यह थी कि उन्होंने न केवल वेदों का अध्ययन किया बल्कि दर्शन और ब्रह्मज्ञान में भी गहन योगदान दिया। गार्गी का सबसे प्रसिद्ध प्रसंग बृहदारण्यक उपनिषद (तृतीय अध्याय, अष्टम ब्राह्मण) में मिलता है। एक बार यज्ञ के समय राजा जनक ने एक विराट ब्रह्मविद्या-सभा का आयोजन किया था, जिसमें महर्षि याज्ञवल्क्य सहित उस समय के महान ऋषि सम्मिलित हुए। घोषणा की कि जो व्यक्ति स्वयं को सबसे महान् ज्ञानी सिद्ध करेगा, उसे स्वर्ण पत्रों में जड़े सींगों वाली एक हज़ार गायें उपहार में दी जाएंगी। कोई विद्वान् आगे नहीं आया। इस पर ऋषि याज्ञवल्क्य ने अपने शिष्य से उन गायों को आश्रम की ओर हांक ले जाने के लिए कहा। किसी उपस्थित विद्वान का याज्ञवल्क्य से शास्त्रार्थ करने का साहस न हुआ। तब उनसे प्रश्न पूछने वालों में गार्गी थीं। गार्गी ने पूछा है ऋषिवर जल के बारे में कहा जाता है कि हर पदार्थ इसमें घुलमिल जाता है तो यह जल किसमें जाकर मिल जाता है। याज्ञवल्क्य ने इस प्रश्न का उत्तर दिया इसके बाद वह बाकी प्रश्न करने लगीं। उसके पूछे हुए ब्रह्मविषयक प्रश्नों से गार्गी की विद्वता का पता चलता है। उसके एक प्रश्न से उत्तेजित याज्ञवल्क्य ने कहा- 'गार्गी अब तू प्रश्न की सीमां का अतिक्रमण कर रही है। अब आगे मत पूछ। अन्यथा कहीं तेरा सिर कटकर न गिर पड़े। परंतु फिर भी गार्गी ने दो प्रश्न किए और उनके उत्तर में याज्ञवल्क्य को अपने दर्शन का प्रतिपादन करना पड़ा।

गार्गी ने याज्ञवल्क्य से गहन प्रश्न पूछे-'याज्ञवल्क्य! एतस्मिन्नन्तरिक्षे अध्श्यं द्रष्टाविज्ञतं विज्ञता अस्ति किम्द' बृहदारण्यक उपनिषद् (अर्थात्हे याज्ञवल्क्य! इस आकाश के परे वह कौन है जो सबको देखता है पर स्वयं अध्श्य है, सबको सुनाता है पर स्वयं अश्रुत है, सबको ज्ञेय करता है पर स्वयं अज्ञेय है)' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया। 'एष त आत्माण्ण् अक्षरं ब्रह्।' (बृहदारण्यक उपनिषद्) अर्थात 'यह आत्मा ही अक्षर ब्रह्है, जो न उत्पन्न होता है और न नष्ट होता है।' इस संवाद ने उपनिषदों में ब्रह्ज्ञान की नींव को और सुदृढ़ किया।

गार्गी का दर्शन और जिज्ञासा पर आधारित था। उन्होंने ब्रह्मांड की उत्पत्ति और उसकी अंतिम सत्ता पर प्रश्न किए। उनका विश्वास था कि ब्रह्मांड का आधार कोई परिवर्तनशील वस्तु नहीं, बल्कि एक अक्षर सत्ता है। गार्गी ने ब्रह्मांड को जल और आकाश जैसे तत्वों के आधार से परे जाकर 'अक्षर ब्रह्म' पर स्थापित माना। उनके प्रश्नों ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे अद्वैत वेदांत की गहरी साधिका थीं। उन्होंने स्त्री-शक्ति को यह सिद्ध कर दिखाया कि दर्शन और ब्रह्ज्ञान केवल पुरुषों का क्षेत्र नहीं है। वह स्त्री शिक्षा की प्रतीक थीं गार्गी का जीवन यह सिद्ध करता है कि वैदिक युग में स्त्रियाँ भी ऋषि, मनीषी और दार्शनिक के रूप में प्रतिष्ठित हो सकती थीं। गार्गी मैत्रेयी और घोषा जैसी विदुषियों ने यह प्रमाण दिया कि भारतीय परंपरा में स्त्री-शिक्षा को सम्मान दिया जाता था।

आज जब स्त्री-शिक्षा और समानता की चर्चा होती है, गार्गी का आदर्श और भी प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने यह संदेश दिया कि
'ज्ञान किसी का विशेषाधिकार नहीं है। सत्य की खोज में पुरुष और स्त्री दोनों समान रूप से सक्षम हैं।' गार्गी वाचक्नवी भारतीय दर्शन और उपनिषद परंपरा की अमर विभूति हैं। उनके गहन प्रश्नों ने न केवल याज्ञवल्क्य जैसे महर्षि को चुनौती दी, बल्कि सत्य की खोज की दिशा भी स्पष्ट की। वे केवल एक ऐतिहासिक विदुषी नहीं, बल्कि ज्ञान-ज्योति की वह शिखा हैं जो युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी।

विश्वविद्यालय जन-जन तक

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

अस्थायी क्लीनिकों के माध्यम से ग्रामवासियों का प्राथमिक परीक्षण करतीं नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांकः 04 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर के कुल 50 छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं मिस साक्षी गुप्ता एवं मिस सौम्या के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में सभी आयु वर्गों के लगभग 35–40 लोग उपस्थित रहें। छात्राओं ने पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मानवमितीय माप (जैसे – ऊंचाई, वजन, सिर की परिधि, छाती की परिधि, मध्य ऊपरी भुजा की परिधि एवं पेट की परिधिद्व का आकलन किया।

वयस्कों में सामान्य शारीरिक परीक्षण (सिर से पांव तक) एवं विभिन्न प्रणालियों से संबंधित प्रणालीगत परीक्षण किए गए। साथ ही, छात्राओं ने सभी आयु वर्गों को स्वस्थ आहार पद्धति, जीवनशैली में बदलाव एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में भी स्वास्थ्य शिक्षा दी।

बच्चों को यह सिखाया गया कि भोजन से पहले, शौचालय के उपयोग के बाद, बाहर से आने पर तथा बीमार महसूस करने पर हाथ धोने की आदत अपनानी चाहिए। हाथ धोने के लिए स्वच्छ पानी का उपयोग करें और कम से कम 20 सेकंड तक हाथों को धोएं।

दांतों को दिन में दो बार ब्रश करना, नाखूनों को नियमित रूप से काटना, स्वच्छ पानी पीना, तथा साफ और ताजे खाद्य पदार्थों का सेवन करने पर भी जोर दिया गया।

बुजुर्गों को स्वास्थ्य शिक्षा देते समय बताया गया कि उनकी शारीरिक और मानसिक भलाई के लिए संतुलित आहार और स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्हें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर भोजन लेना चाहिए जिससे वे एक बेहतर और गुणवत्तापूर्ण जीवन जी सकें।

चिकित्सा परामर्श

आयुर्वेद चिकित्सालय

विशेष आयुर्वेद ओपीडी के दौरान रोगियों को परामर्श देते डॉ. जी. एस. तोमर

दिनांकः 05 सितम्बर, 2025 को महंत दिग्विजय नाथ आयुर्वेद चिकित्सालय बालापार, सोनवरसा रोड, गोरखपुर में विशेष ओपीडी में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ जी एस तोमर ने शताधिक रोगियों का परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया।

डॉ. तोमर ने बताया कि आयुर्वेद की दृष्टि से वर्षा ऋतु में वात बढ़ता है । अतरू तीन चौथाई रोग गठिया से पीड़ित मिले। अन्य रोगियों में श्वास, मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोग देखने को मिला । उन्होंने कहा सभी रोगियों को औषधियों के साथ साथ आहार विहार की जानकारी भी प्रदान की गई ।

जन-जागरण

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

ग्रामवासियों एवं बच्चों संतुलित आहार के प्रति जागरूक करतीं नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी एवं शिक्षक

दिनांकः 09 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग 5वें सेमेस्टर के कुल 50 छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं मिस सौम्या वर्मा, मिस सुमन यादव के कुशल मार्गदर्शन में अपने सामुदायिक पोस्टिंग के अंतर्गत सोनबरसा गांव में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय, विशेषकर बच्चों एवं महिलाओं को हाथ धोने की सही विधि और संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक करना था।

छात्रों ने विभिन्न रोचक तरीकों जैसे पोस्टर, नाटक, स्लोगन और प्रदर्शन के माध्यम से ग्रामीणों को जानकारी दी।

बच्चों ने विशेष उत्साह के साथ भाग लिया और हाथ धोने की विधि को स्वयं सीखकर अभ्यास भी किया। कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं, बच्चे तथा अन्य ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सभी ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना की और इसे एक सार्थक एवं ज्ञानवर्धक पहल बताया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षिकाओं ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया और ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छता और पोषण पर ध्यान देने की सलाह दी।

संस्थापक श्रद्धांजलि समारोह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

संस्थापक श्रद्धाजलि में उद्बोधन देते प्रो. डी.के. सिंह व उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षकगण

दिनांकः 10 सितम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज में आज युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राणी विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी और राष्ट्रसंत अवेद्यनाथ जी का जीवन शिक्षा, समाजसेवाए राष्ट्रनिर्माण और आध्यात्मिक उत्थान के लिए सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श और त्याग भाव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं।हम सभी को इन महंत द्वय

से लौकिक ज्ञान के साथ साथ अध्यात्मिक ज्ञान भी सीखना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि नाथ संप्रदाय की परंपरा में दोनों महान संतों का योगदान अद्वितीय रहा है। विश्वविद्यालय परिवार उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

कार्यक्रम में सभी संकायों के डीन और प्राचार्यों ने अपने वक्तव्य पुष्प के द्वारा पूज्यनीय महन्त द्वय के चरणों में वर्ष भर के उपलब्धियों को प्रस्तुत करते हुए समर्पित किया। समारोह का संचालन खुशी ने किया तथा आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा ने किया। इस श्रद्धांजलि समारोह में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के डीन, प्राचार्य, प्राध्यापक, छात्र–छात्राएँ और कर्मचारी उपस्थित रह कर अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करने हेतु संकल्प लिया।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

गुरु गोरखनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रशिक्षण प्राप्त करते प्राध्यापकगण

दिनांकः 12 सितम्बर, 2025 को सक्षम फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत दो प्रभावशाली कार्यशालाओं का आयोजन गुरु गोरखनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, आयुर्वेद संकाय, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 12 और 13 सितंबर 2025 को किया गया।

इन कार्यशालाओं को बैंगलोर फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड (BPRL), बसवनगुड़ी, बैंगलोर द्वारा प्रायोजित किया गया।

कार्यशालाओं का संचालन श्री हरि पी. गुप्ता द्वारा किया गया, जो लाइफ साइंसेज सेक्टर स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (LSSSDC) के मास्टर ट्रेनर हैं।

यह परिषद प्रधानमंत्री कौशल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत है। दोनों दिनों में कुल 32 आयुर्वेद फैकल्टी ने भाग लियाः 1 2 सितंबर को आयोजित FDP-1 में 17 फैकल्टी ने भाग लिया –13 सितंबर को आयोजित FDP-2 में 15 फैकल्टी ने भाग लिया।

कार्यशालाओं में शामिल विषयः–वयस्क शिक्षा के सिद्धांत, प्रभावी संवाद कौशल एवं सॉफ्ट स्किल्स, समग्र तनाव प्रबंधन (गतिविधियों सहित), शारीरिक भाषा एवं मुद्राओं की समझ, कार्यक्रम का समन्वय डॉ. चौतन्य बेलेगल, सहायक प्रोफेसर, आरएस एवं बीके विभाग, GGIMS द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने श्री गुप्ता एवं BPRI का आभार व्यक्त किया और कहा कि कार्यशालाओं में शामिल विषयों से सभी फैकल्टी को नई दृष्टि और प्रेरणा मिली है।

सक्षम कार्यक्रम ने शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण विधियों और समग्र कल्याण की रणनीतियों से सशक्त किया, जो राष्ट्रीय कौशल विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम है।

जागरूकता अभियान

फैकल्टी आफ फार्मास्यूटिकल्स साइंस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. राजेश दसराजू

दिनांकः 12 सितम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर में फैकल्टी आफ फार्मास्यूटिकल्स साईंस द्वारा फार्माकोविजिलेंस संवेदनशीलता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य दवाओं के उपयोग के दौरान होने वाली संभावित समस्याओं के प्रति सतर्कता बढ़ाना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। यह आयोजन पीवीपीआइ (Pharmacovigilance Programme of India) के अंतर्गत कोर ट्रेनिंग पैनल की अनुशंसा पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में MBBS] MD, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष फार्माकोलॉज, एसजीएमसीएचआरसी, गोरखपुर डॉ. राजेश दसराजू रहे। अपने व्याख्यान में उन्होंने फार्माकोविजिलेंस का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताया

कि 'फार्माकोष'का अर्थ दवा और षिजिलेंस का अर्थ सतर्कता है। दवाओं से होने वाले दुष्प्रभावों पर निगरानी रखना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना फार्माकोविजिलेंस का मुख्य उद्देश्य है।

डॉ. राजेश दसराजू ने दवा के विकास की प्रक्रिया क्लिनिकल ट्रायल्स, आवश्यक डेटा संग्रह और दवा के अनुमोदन तक की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि फार्मा कंपनियां दवा विकसित करके कैसे लाभ प्राप्त करती हैं, उनका उद्देश्य क्या होता है, और दवाओं के शोध व परीक्षण के माध्यम से रोगियों को सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार कैसे प्रदान किया जाता है।

इस सत्र में फैकल्टी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस के डीन डॉ. एम.एन पुरोहित भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम श्री शिवेंद्र मणि त्रिपाठीए असिस्टेंट प्रोफेसरए फ ैकल्टी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। सत्र के अंत में श्री शिवेंद्र मणि त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आईकेएस सेंटर केन्द्र | गुरु गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय

दिनांक: 15 सितम्बर, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान (GGIMS) आयुर्वेद संकाय के अंतर्गत स्थापित पारम्परिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव का चयन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रभाग (Indian Knowledge Systems Division) द्वारा आईकेएस शोध केंद्र (2025–26) के रूप में किया गया है।

यह केंद्र वैदिक दार्शनिक एवं संज्ञानात्मक विज्ञान को भैषज्य एवं आरोग्य विज्ञान के साथ समन्वित कर अग्रणी शोध कार्य करेगा तथा भारतीय पारम्परिक चिकित्सा की संरक्षा, संवर्धन एवं वैश्विक प्रतिष्ठा सुनिश्चित करेगा।

इस परियोजना का नेतृत्व निम्नलिखित प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है: डॉ. गिरिधर वेदांतम, प्राचार्य एवं अधिष्ठाता (आयुर्वेद), जीजीआईएमएस प्रधान अन्वेषकय डॉ. रघु राम आचार्य, अधिष्ठाता (आईक्यूएसी), एमजीयूजी – सह–प्रधान अन्वेषकय डॉ.प्रिया एस. नायर, सहायक आचार्य, विभाग: कायिकी (क्रीयाशरीर), जीजीआईएमएस सह–अन्वेषकय डॉ. साध्वीनंदन पाण्डेय, सहायक आचार्य, विभाग: संस्कृत, संहिता एवं सिद्धांतए जीजीआईएमएस–सह–अन्वेषक यह केंद्र पारम्परिक चिकित्सा के जनप्रसार, नये शोध परियोजनाओं के संचालन, विद्यार्थियों को प्रशिक्षण, तथा गोरखपुर के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने की दिशा में कार्य करेगा। साथ ही यह पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों का डिजिटल भंडार (Digital Repository) तैयार करेगा, जिससे इन अमूल्य परम्पराओं का संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों तक पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

माननीय कुलपति डॉ. सुरेन्द्र सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने इस उपलब्धि पर संपूर्ण टीम को बधाई दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र पारम्परिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा।

यह उपलब्धि महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर हमें प्राप्त एक विशेष उपहार एवं विनम्र श्रद्धांजलि है, जो युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पावन स्मृति को समर्पित है।

आयुर्वेद दिवस सप्ताह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

दिनांकः 17 सितम्बर, 2025 महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज में आयुष मंत्रालय भारत सरकार व भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा निर्देशित आयुर्वेद मानवता और प्रकृति के लिए विषय पर 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह का शुभारंभ प्राचार्य गिरिधर वेदांतम द्वारा किया गया।

सप्ताहिक समारोह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसण में बीएएमएस विद्यार्थीयों और चिकित्सकों ने छात्रों और शिक्षकों को आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के महत्व एवं पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किए।

चौबेपुर गांव, महाराज गंज चौराहे पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को चिकित्सकीय परामर्श और आयुर्वेदिक पद्धति से स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोग निवारण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत विद्यार्थियों में आयुर्वेद के प्रति रुचि जागृत करने हेतु आयुर्वेद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य गिरिधर वेदांतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण कला है। आज की जीवनशैली में आयुर्वेद की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि आयुर्वेद की परम्परा को न केवल शैक्षणिक संस्थानों मेंए बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाएं। विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण ने बताया कि आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 17 सितंबर से 23 सितंबर तक चिकित्सक और विद्यार्थी विभिन्न ग्रामों, नगरों में निशुल्क चिकित्सा शिविर, मैराथन दौड़, आयुर्वेद आहार आदि कार्यक्रम के माध्यम से सभी नागरिकों को आयुर्वेद से जोड़ेंगे। इस दौरान विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताएं और अतिथि व्याख्यान का भी आयोजन किया जाएगा।

समस्त कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई, भारद्वाज इकाई एवं आत्रेय इकाई के स्वयंसेवकों बीएएमएस विद्यार्थियों और चिकित्सकों की सहभागिता से संपन्न हुए।

इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. सुमित, कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण, सह संयोजिका डॉ. मिनी एवं डॉ. देवी, डॉ. अवनीश द्विवेदी एवं डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्री नाथ, डॉ. वैसाख, डॉ. विनम्र, डॉ. सार्वभौम और सुमेश, अंजली, केशू, नितेश, सिद्धांत, उत्कर्ष सभी चिकित्सक और बीएएमएस विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

जन-जागरण एवं जागरूकता

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

एमबीबीएस के विद्यार्थयों ग्रामवासियों को जागरूक करते हुए

दिनांकः 18 सितम्बर, 2025 आयुर्वेद दिवस समारोह 2025 के अन्तर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज द्वारा विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

इस क्रम में गोरखनाथ मंदिर परिसर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन एवं आसपास के क्षेत्रों में आयुर्वेद जन–जागरूकता अभियान संचालित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को आयुर्वेद की महत्ता से अवगत कराना तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

विश्वविद्यालय के आयुर्वेदाचार्यों और विद्यार्थियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया तथा रोग–निवारण और स्वास्थ्य संवर्धन हेतु जड़ी–बूटियों के प्रयोगए आहार–विहार के नियमों एवं दैनिक दिनचर्या की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी।

इसी क्रम में चौकी माफी ग्राम में 'हर घर, हर दिन आयुर्वेद' के उद्देश्य से तथा

कृषि विज्ञान केन्द्र में भी विशेष आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने सामान्य रोगों के लिए घरेलू उपचारए औषधीय पौधों के महत्व और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों को सरल भाषा में बताया। ग्रामीण अंचल के नागरिकों ने इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयुर्वेद को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण प्रणाली है। यदि हम अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेदिक सिद्धांतों, आहार–विहार और प्राकृतिक औषधियों का समुचित प्रयोग करेंए तो न केवल रोगों से मुक्ति पा सकते हैं बल्कि एक संतुलितए निरोग और सुखमय जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आयुर्वेद भारतीय परंपरा की आत्मा है और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक आयुर्वेद का संदेश पहुँचे और लोग प्रकृति आधारित जीवनशैली अपनाकर दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें।

जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित डॉ. रिनझिन, डॉ. रचना, डॉ. धन्या, डॉ. यास्मीन, डॉ. सार्वभौम, डॉ. श्रीनाथ और डॉ. संध्या पाठक द्वारा किया गया।

कार्यक्रमों में बीएएमएस विद्यार्थी, स्वयंसेवक, स्थानीय नागरिकए छात्र–छात्राएँ एवं स्वास्थ्यकर्मी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के दौरान ग्रामीण महिलाओं का परीक्षण करतीं नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 19 सितम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचलित नर्सिंग विभाग द्वारा स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं ने एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम गोरखपुर जनपद के बालापार गांव में आयोजित किया गया, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं एवं वयस्क किशोरियों को उच्च रक्तचाप के लिए महिला स्वास्थ्य जांच और किशोरियों एवं महिलाओं के लिए परामर्श जैसी गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान और रोकथाम के लिए उन्हें आवश्यक जानकारी व परामर्श प्रदान करना था।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशिक्षु नर्सिंग छात्रों ने मिस साक्षी प्रजापति के मार्गदर्शन में महिलाओं की निःशुल्क रक्तचाप और रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) की जांच की। जांच के उपरांत उपस्थित महिलाओं को उनके स्वास्थ्य संबंधी रिपोर्ट के अनुसार उचित सुझाव और परामर्श दिया गया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में वयस्क लड़कियों और महिलाओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिक्षा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें निम्नलिखित विषयों पर जानकारी दी गई जैसे की संतुलित आहार एवं पोषण का महत्व, नियमित व्यायाम की आवश्यकता, मधुमेह और उच्च रक्तचाप के लक्षण, कारण और बचाव, मानसिक स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वच्छता, समय–समय पर स्वास्थ्य जांच की अनिवार्यता, छात्राओं ने रंगीन पोस्टरों, चार्ट और मॉडल की सहायता से इन विषयों को सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल चिकित्सा जांच तक सीमित न होकर महिलाओं को स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपने परिवार एवं समाज में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य शिक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे ग्रामवासियों ने विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता की अपेक्षा जताई।

अंत में कार्यक्रम के संदेश को इस प्रेरणादायक स्लोगन के माध्यम से सारगर्भित किया गया।

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान | फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

नुक्कड़ नाटक के द्वारा जागरूक करतीं छात्राएं

दिनांकः 20 सितम्बर, 2025 फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचलित नर्सिंग विभाग के एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष की छात्रा शिवांगी वर्मा एवं बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर छात्राओं द्वारा स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत मुकअभिनय प्रदर्शन के मध्यम से 'क्षय रोग मुक्त भारत–जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशिक्षु नर्सिंग के छात्र–छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं (श्रीमती रजिथा आरएमए मिस प्राची यादव एवं मिस गरिमा चौधरी) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम गोरखपुर जनपद के ओंकारनगर क्षेत्र में आयोजित किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 'स्वस्थ नारीए सशक्त परिवार अभियान' शुभारंभ किया गया है तथा देशभर में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 10 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, 'हमारी माताएँ और बहनें, हमारी नारी शक्ति, राष्ट्र प्रगति का मुख्य आधार हैं। यदि माँ स्वस्थ है, तो पूरा परिवार स्वस्थ रहता है। यह अभियान माताओं और बहनों तथा उनके स्वस्थ भविष्य को समर्पित है। नारी शक्ति विकसित भारत का प्रमुख स्तंभ है और श्स्वस्थ नारी सशक्त परिवारश् महिला–नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक महाअभियान है।

इस कार्यक्रम के मुख्य विषय के अंतर्गत हमारे विश्वविद्यालय ने यह कार्यक्रम आयोजित किया है तथा ग्रामवासियों ने विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता की अपेक्षा जताई।

आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 | गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान

आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह के दौरान प्रदर्शनी की सुखद छवियां

दिनांकः 21 सितम्बर, 2025 को आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर में आज आयुर्वेद आहार प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में आयुर्वेद सिद्धांतों पर आधारित पारंपरिक अनाज, औषधीय पेय, स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन एवं औषधीय पौधों से बने आहार को प्रदर्शित किया गया। आगंतुकों को इन आहारों के पौष्टिक तत्वों, औषधीय महत्व एवं रोग–निवारक गुणों की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रदर्शनी में राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई एवं भारद्वाज इकाई के बीएएमएस विद्यार्थी एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

उनके द्वारा सजाए गए स्टॉल और प्रस्तुत आहार समाज में संतुलित एवं सात्त्विक भोजन संस्कृति को बढ़ावा देने का सशक्त संदेश देते रहे।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. विनम्र शर्मा ने कहा आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। स्वस्थ जीवन का आधार संतुलित आहार है और इस प्रदर्शनी का उद्देश्य युवाओं एवं समाज को आयुर्वेद आहार की महत्ता से जोड़ना है।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शांति भूषण, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. रिनझिन, डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ, अभिजीत सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक, बीएएमएस विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, विजन-2047 | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश, विजन–2047 के कार्यक्रम में सम्बोधित करते माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी

दिनांकः 21 सितम्बर, 2025। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत बनाने की संकल्पना के अनुरूप प्रदेश 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047', पर काम कर रही है। इसमें सरकार द्वारा निर्धारित 12 सेक्टर्स में से किसी भी क्षेत्र में अपने सुझाव देकर राज्य का हर व्यक्ति यूपी को विकसित बनाने में योजक की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आह्वान किया कि हर व्यक्ति सरकार द्वारा जारी ष्विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047 के क्यूआर कोड को मोबाइल में स्कैन कर अपने सुझाव अवश्य दे।

सीएम योगी रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के ऑडिटोरियम में 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश विजन–2047' पर आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की पूर्व और वर्तमान दशा का विस्तार से उल्लेख किया और भावी दशा के लिए एक रोडमैप सबके सामने रखा। सीएम ने कहा कि आजादी मिलने के बाद 1947 के देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 14 प्रतिशत था। इसके बाद इसमें लगातार गिरावट आती गई। 2017 में उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें सुधार आना शुरू हुआ।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 तक उत्तर प्रदेश की जीडीपी 12 लाख 36 हजार करोड़ रुपये थी। इस वर्ष के अंत तक सरकार इसे 36 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचाने जा रही है। यानी नौ सालों में तीन गुने की वृद्धि। इसी तरह राज्य में प्रति व्यक्ति आय भी नौ सालों में 45000 रुपये से बढ़कर 1 लाख 20000 रुपये पर पहुंच रही है। आज प्रदेश में हरेक सेक्टर में विकास देखने को मिल रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ 'अमृत महोत्सव' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक देश को विकसित बनाने के लिए जो पंच प्रण दिए हैं, हम सभी को उसके साथ आगे बढ़ना होगा। हमें उन पंच प्राणों गुलामी की मानसिकता को सर्वथा समाप्त करना, विरासत का सम्मान करना, सेना, अर्धसेना और यूनिफॉर्मधारी जवानों का सम्मान व उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना, जातिए क्षेत्र या किसी भी तरह के वाद से मुक्त होकर समतामूलक समाज के लिए एकता के सूत्र में बंधना और

विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश, विजन–2047 के कार्यक्रम में सम्बोधित करते डॉ. के. वी. राजू

नागरिक कर्तव्यों का पालन करना अपने दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा।

विकसित भारत के लिए यूपी ने उठाई आवाजः मुख्यमंत्री ने पितृ विसर्जन के पावन पर्व पर आजादी दिलाने वाले देश के पूर्वजों को याद करते हुए कहा कि देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वालों का सपना था कि भारत दुनिया की एक ताकत बने। पितृ विसर्जन पर विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प के लिए आयोजित यह कार्यशाला पूर्वजों के प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि पीएम के आह्वान के तीन साल बाद जब किसी और जगह से आवाज नहीं आई तो विकसित भारत के लिए आवाज उठाने की शुरुआत यूपी ने की। बताया कि अगस्त माह में विकसित उत्तर प्रदेश के लिए एक विजन बनाने को विधानसभा और विधान परिषद में लगातार 24 घण्टे चर्चा हुई। इस चर्चा ने उस धारणा को बदल दिया है जिसमें कहा जाता था कि विधायिका में काम नहीं होता है। और उस चर्चा के बाद अब आमजन से सुझाव लेकर कार्ययोजना बनाने की तैयारी की जा रही है। प्रदेशभर में इस तरह की चर्चा के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने हेतु यूपी में तीन सौ से अधिक बुद्धिजीवियों जिसमें सेवानिवृत्त आईएएस, कुलपति, शिक्षक, चिकित्सकों, उद्यमियों की सहभागिता है, को प्रदेश के सभी जिलो में भेजा जा रहा है। ये बुद्धिजीवी प्रदेश के विभिन्न अकादमिक संस्थाओं में जाकर विकसित उत्तर प्रदेश के विजन पर छात्रों व अन्य लोगों से चर्चा कर रहे है। अब तक प्रदेश के 110 से अधिक अकादमिक संस्थाओं में भ्रमण कर ये बुद्धजीवी छात्रों से, जनता से संवाद कर चुके हैं। ये अलग–अलग क्षेत्रों के लोगों के बहुमूल्य विचारों को भी आमंत्रित कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विचार कभी मरता नहीं है। यदि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का विचार सामने आया है तो मूर्त रूप अवश्य लेगा। इसी विश्वास के साथ आज हम सब आगे बढ़ रहें हैं।

पीएम मोदी द्वारा दिए संकल्पों को दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगाः मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने विकसित भारत के लिए पंच प्रण के साथ 9 संकल्प की भी बात की थी। ये संकल्प बहुत छोटे हैं और हमारी दिनचर्या के हिस्से के रूप में भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के लिए संकल्प की बात की है। एक संकल्प पर्यावरण संरक्षण है जिसमें एक पेड़ मां के नाम पर लगाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने तीसरा संकल्प स्वच्छता का दिया। स्वच्छता न होने के कारण ही पूर्वी यूपी में इंसेफेलाइटिस बीमारी फैलती थी। आज यह क्षेत्र गंदगी मुक्त हुआ तो यहां इंसेफेलाइटिस भी समाप्त हुआ। बताया कि 1977 से 2017 तक 50 हजार बच्चों की मौत इंसेफेलाइटिस से हुई थी। 2017 के बाद सरकार के प्रयासों के बाद इसे समाप्त करने में सफलता पाई गयी। आज इंसेफेलाइटिस से कोई मौत नही होती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता का संकल्प हमें दिया है। इसके लिए हमें स्वदेशी मॉडल को अपनाना होगा। समय व मांग के अनुरूप हमें उसके मॉडल में परिवर्तन करना होगा। हमें वोकल फार लोकल की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

भारत में आध्यात्मिक पर्यटन के सभी केंद्रः मुख्यमंत्री ने कहा कि पांचवें संकल्प के रूप में प्रधानमंत्री ने देश दर्शन का दिया है। हमारे यहां 4 धामए 51 शक्ति पीठए 12 ज्योर्तिलिंग आदि आध्यात्मिक पर्यटन के सभी केंद्र हैं। हेरिटेज टूरिज्म की दृष्टि से भी भारत सम्पन्न है। भारत ने आक्रान्ताओं के खिलाफ एक लम्बी लड़ाई लड़ी है। टूरिज्म के लिए हम विदेश क्यों जाएं, जब हमारे पास इतना वैभवपूर्ण टूरिज्म क्षेत्र है। इससे हमारा पैसा भी अपने देश में खर्च होगा। पीएम के संकल्पों को याद दिलाते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। रासायनिक उर्वरको से कैंसर जैसे अनेक रोग होते है। मधुमेह के रोगियों की संख्या भारत में लगातार बढ़ रही है। प्राकृतिक खेती लागत को भी कम करने के साथ स्वस्थ भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करती है। इसी क्रम में हमें एक स्वस्थ दिनचर्या अपनाना चाहिए। हमें योग और खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। नौंवे संकल्प के रूप में प्रधानमंत्री ने किसी नेशनल मिशन के रूप में जोड़ने का आह्वान किया था। यह मिशन गरीबी उन्मूलन, दिव्यांग सहायताए महिला सहायता के रूप में हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि 9 संकल्पों को हम अपनी जीवन का हिस्सा बनाते हैं तो विकसित भारत की एक आधारशिला तैयार कर लेंगें।

राम भारत के राष्ट्रीय चरित्र के परिचायकः सीएम योगी ने

विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश, विजन–2047 के कार्यक्रम में स्टॉलों का निरीक्षण करते माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी

कहा कि दुनिया में हर देश का अपना एक राष्ट्रीय चरित्र होता है। भारत में यह राष्ट्रीय चरित्र भारत का अध्यात्म है। भारत के प्रत्येक नागरिक में किसी न किसी रूप में आध्यात्मिक भाव होता है। हर देश अपने चरित्र के अनुरूप अपनी भूमिका तैयार करता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में भगवान राम के रूप को हमारे देश के आध्यात्मिक चरित्र को दिखाया गया है। रामायण में सामाजिक जीवनए राष्ट्रीय जीवनए पारिवारिक जीवनए प्राकृतिक जीवों से जुड़े सभी मूल्य समाहित हैं। महर्षि बाल्मिकी की यह कृति युगों–युगों से सामाजिक मार्गदर्शन कर रही है। रामायण के माध्यम से भगवान राम का जो चरित्र दिखाया हैए वह राष्ट्रीय चरित्र के रूप में आज भी प्रासंगिक है।

विकसित भारत के लिए यूपी को विकसित बनाना होगाः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत विकसित हो सकता है। इसके लिए हमें उत्तर प्रदेश को विकसित करना होगा। यूपी को विकसित करने के साथ ही गोरखपुर को विकसित करना होगा। प्रदेश के हर नगर, कस्बे और गांव को विकसित करने के लिए कार्य करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की तुलना करें तो भारत विकसित थाए आगे भी भारत विकसित बनेगा।

दुनिया का सातवां भूभाग भारत के पासः सीएम ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से वृहत्तर भारत जिसमें पाकिस्तान, बाग्लादेश भी था, दुनिया का सातवां सबसे बड़ा भूभाग था। इसका विस्तार 42.41 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में था। वर्तमान भारत भी सातवें स्थान पर 32 करोड़ 87 लाख हेक्टेयर में विस्तृत है। बताया कि रूस के पास 1 अरब 70 करोड़ 80 लाख हेक्टेयर भूभाग है, चीन के पास 96 करोड़ हेक्टेयर भूभाग है, अमेरिका के पास 93 करोड़ 7 लाख, कनाडा के पास 92 करोड़ 20 लाख, ब्राजील के पास 85 करोड़ 10 लाख और ऑस्ट्रेलिया के पास 78 करोड़ 60 लाख हेक्टेयर भू–भाग है।

दुनिया में सर्वाधिक उर्वरा भूमि भारत के पासः मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के भारत में 60 फीसदी से अधिक भूभाग उर्वरा है, जबकि अन्य बड़े देशो में उनके कुल भूभाग का लगभग 20 प्रतिशत भाग ही कृषि योग्य है। भारत के पास 16 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि है। रूस के पास 12 करोड़ हेक्टेयर एवं चीन के पास 12 करोड़ हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य है। अन्य देशों के पास भी भारत से कम कृषि योग्य भूमि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसति देशो के पास जो भी कृषि भूमि हैए उसमें उन्होंने तकनीक का उपयोग करके लागत कम करने में तथा उत्पादन बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है।

भारत के वैभव को देखकर आये थे विदेशी आक्रांताः सीएम ने कहा कि कहा कि पहले भारत को सोने की चिड़िया कहते थे क्योंकि भारत विकसित था। विदेशी आक्रांता भारत के वैभव को देखकर ही यहां आये थे। उन्होंने कहा कि 17वीं शताब्दी तक भारत कृषि और उद्योग क्षेत्र में दुनिया में नंम्बर एक स्थान पर था। उस समय दुनिया की कुल अर्थव्यवस्था की 25 फीसदी हिस्सेदारी भारत की थी। उन्होंने कहा कि 18वीं शताब्दी आते.आते भारत की क्षमता कम होती गयी। ब्रिटिश कालखण्ड में उद्योग बंद हो गये। इससे कृषि में लोगों की हिस्सेदारी 50 से बढ़कर 80 फीसदी हो गयी। भारत के शिल्प व अन्य उद्योगों को हतोत्साहित किया गया।

आजादी के समय 25 से घटकर 3 फीसदी हो गई थी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारीः मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित अर्थव्यवस्था में कृषि और उद्योग में साम्यता होती है। अर्थव्यवस्था में हमारी निभर्रता केवल कृषि पर हो जायेगी तो अर्थव्यवस्था विकसित नहीं हो पायेगी। गुलामी के कालखण्ड में देश में पूरा भार कृषि पर आ गया था। देश में अनेकों अकाल पड़े, करोड़ों लोग भूखमरी से मर गयेए अनेक बीमारियों के कारण भी बड़ी संख्या में लोग मर गये। भारत के साथ यह त्रासदी लगातार बनी रही, इसी कारण भारत, जिसकी वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 25 प्रतिशत होती थी, आजादी के समय 1947 में यह हिस्सेदार केवल 3 प्रतिशत रह गयी थी। देश का निर्यात लगभग शून्य था। भारत कपड़ा उत्पादन में कभी नम्बर एक पर था, वह अब पतन की ओर आ गया था। यही हाल उत्तर प्रदेश का भी था।

उत्तर प्रदेश, देश का हृदय स्थलः मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का हृदय स्थल है। देश की सर्वाधिक आबादी यहां निवास करती है। कृषि योग्य उर्वर भूमि और जल संसाधन के मामले में उत्तर प्रदेश काफी समृद्ध है। पश्चिमी यूपी से बलिया,

विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश, विजन–2047 के कार्यक्रम में स्टॉलों का निरीक्षण करते माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी

वाराणसी तक समतल भूमि है। यूपी की मिट्टी सोना उगलने का सामर्थ्य रखती है। उत्तर प्रदेश पर प्रकृति और परमात्मा की असीम अनुकम्पा है।

पूरे देश में छा गया है ओडीओपीः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना को प्रदेश की अर्थव्यवस्था में गेम चेंजर होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हर जिले के एक खास उत्पाद को चिन्हित कराकर ओडीओपी की शुरुआत की। इससे शिल्पियों और कारीगरों को सम्मान दिया गया, उनके शिल्प को उद्यम से जोड़ा गया। कहा कि जो भी देश हस्तशिल्पियों और कारीगरों का अपमान करेगा वह कभी पनप नहीं सकता। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज ओडीओपी पूरे देश में छा गया है। यूपी में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं। राज्य के 77 उत्पादों को एसआई टैग भी प्राप्त हो चुका है। आज यूपी 2 लाख करोड़ रुपये का निर्यात कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में दीपोत्सव हेतु प्रदेश के अन्य जनपदों में दीप मांगने पड़ते थे। अयोध्या के कुम्हारों को ही यंत्र देकर प्रोत्साहित किया गया तो परिणामस्वरूप अब 25 लाख दीपोत्सव हेतु भी दीप बाहर से नही मंगाने पड़ते है। उन्होंने कहा कि दीपावली के पर्व पर सभी वस्तुओं पर चीन का अधिकार था, आज चीन का सामान बाजार से गायब हो गया है। अब हमारे हस्तशिल्पियों को तकनीक के साथ बाजार भी प्राप्त हो गया है।

कृषि क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की संभावनाएंः सीएम ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में हर क्षेत्र में विकास देखने को मिला है। ओडीओपी ने खेतीहर मजदूर को अतिरिक्त कार्य भी दिया है। कृषि क्षेत्र में सिचांई की व्यवस्थाए मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, आदि के माध्यम से कृषि क्षेत्र को उन्नत किया गया है। डीबीटी के माध्यम से 2.86 लाख करोड़ का भुगतान गन्ना किसानों को किया गया है। पश्चिमी व मध्य यूपी में किसान अब वर्ष में तीन फसल का उत्पादन कर रहा है। उन्होंने कहा कि अभी इस क्षेत्र में कार्य करने की असीम संभावनाएं है। अब उन्हीं पर आगे की कार्ययोजना तैयार करने के लिए कार्य हो रहा है।

सीएम ने गोरखपुर की विकास यात्रा को भी किया साझाः मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गोरखपुर में आज से 10 वर्ष पहले एक विश्वविद्यालय होता था। बाद में मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। आज गोरखपुर में 4 विश्वविद्यालय हैं। गीडा में भी निवेश आ रहा है। पहले लोग निवेश से डरते थे। पहले स्वास्थ्य के केन्द्र के रूप में गोरखपुर में केवल बीआरडी मेडिकल कालेज था। वह भी बीमार अवस्था में था, संसाधन का आभाव था, गंदगी रहती थी। अब बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वस्थ हो गया है। गोरखपुर में एम्स एक कल्पना थाए किन्तु आज वह हकीकत है।

सुदृढ़ हुई यूपी में हर तरह की कनेक्टिविटीः सीएम योगी ने कहा कि यूपी में हर तरह की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। 2017 तक यूपी में डेढ एक्सप्रेसवे थे। आज 8 एक्सप्रेसवें संचालित है और 6 पर कार्य चल रहा है। 7 नये एक्सप्रेसवे का डीपीआर बनाया जा रहा है। रोड कनेक्टिविटी आज बहुत उत्तम हो चुकी है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की तुलना में आज उत्तर प्रदेश की सड़कें काफी बेहतर हैं। देश के एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी में यूपी का 60 प्रतिशत योगदान है। अर्न्तराज्यीय कनेक्टिविटी के रूप में आज प्रदेश में फोरलेन तथा सिक्सलेन की सड़को का संजाल है। तहसील व जिला मुख्यालय को टू–लेन व फोरलेन कनेक्टिविटी से जोड़ दिया गया है। आज प्रदेश के 6 शहरों में मेट्रोरेल का संचालन हो रहा है। देश की पहली रैपिड रेल मेरठी से दिल्ली चल रही है। देश में इनलैण्ड वाटरवे भी उत्तम हो चुका है। आज यूपी में 16 एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं। देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर नोयडा में इस वर्ष के अंत तक संचालित हो जायेगा। यात्रा के साथ लाजिस्टिक एवं कार्गो के क्षमता के संबंध भी यह एयरपोर्ट एक हब बनेगा। आज देश की कुल इलेक्ट्रानिक कम्पोनेंट तथा मोबाइल के निर्माण में उत्तर प्रदेश का योगदान 60 से 65 फीसदी है।

विकसित उत्तर प्रदेश के लिए बना रहे विजन डॉक्यूमेंटः मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सारे कार्य 8 वर्ष के अन्दर किये गये हैं इसी सफलता के बाद यह सुनिश्चित हुआ कि यूपी एक विकसित प्रदेश बन सकता है। इस पर कार्य योजना बनाने हेतु हमारे पास एक विजन डाक्यूमेंट होना चाहिए। उसमें जनता का सुझाव भी शामिल होना चाहिए। तीन थीम तथा 12 सेक्टर से जुड़े सुझाव सभी

सेक्टर से जुड़े लोगों की तरफ से आने चाहिए। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रए पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकासए आईटी एव इमर्जिग टेक्नोलॉजीएपर्यटन एवं संस्कृति, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याणए स्वास्थ्य क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र और सुरक्षा एवं सुशासन आदि क्षेत्र में लोग सुझाव देकर विकसित उत्तर प्रदेश की यात्रा के साझीदार बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में पहले उन्नत तकनीक नही थीए आज सभी के पास मोबाइल है। सरकार सभी छात्रों को लगातार स्मार्टफोन व टैबलेट का वितरण कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर क्षेत्र में अलग.अलग सम्भावनाएं हैं। इन सम्भावनाओ को भी विजन डाक्यूमेन्ट में सुझाव के रूप में समाहित करना है। हर क्षेत्र सें हमें सुझावों को समाहित करना है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में माडर्न मेडिसिन व ट्रेडिशनल मेडिसिनए फार्मेसी व नर्सिंग आदि मे सभी में व्यापक सम्भावनाएं छिपी हैं। इन संभावनाओं को उजागर कर 5 वर्ष या 10 वर्ष के छोटे छोटे लक्ष्य को हमें विजन डाक्यूमेन्ट में समाहित करना है।

2047 तक यूपी को बनाएंगे 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था: सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 2029–2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य बनाया है। उसके बाद हमारा लक्ष्य 29 से 35 तक 3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य होगा। इसके बाद 2046–2047 तक उ0प्र0 का लक्ष्य 6 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का होगा। हम इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं। हमारे विजन डाक्यूमेन्ट का यह हिस्सा है कि युवाओ, किसानो, शिक्षकों, चिकित्सको से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों को समाहित करे और उसके अनुसार लक्ष्य बनाये। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 12 सेक्टर जो चिन्हित किये गये है उन्हें समाहित संभावनाओं को हमें आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि नगरीयकरण तेजी से बढ़ने वाली प्रक्रिया है। ये अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान करती है। लोगों के जीवन स्तर को सुगम बनाने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हस सेक्टर में और क्या संभावनाएं है इस पर हमें क्या कार्य करना है। इमर्जिंग टेक्नोलाजी के क्षेत्र में भी अनेक संभावनाएं हैं। आज सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में एक नई प्रतिस्पर्धा शुरू हुई है। सेमीकंडक्टर की एक यूनिट लगाने में लगभग 1 लाख करोड़ के निवेश की जरूरत पड़ती है। आज डिजिटल क्षेत्र में सेमीकंडक्टर के बिना कोई आगे नही बढ़ सकता है। सेमीकंडक्टर पर जिसका कब्जा होगा उसका पूरा बाजार पर कब्जा होगा। इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं है। इस क्षेत्र में भारत के पास बेहतरीन अवसर है। यूपी के पास इसमें बड़ा अवसर है।

यूपी के पास प्रतिभावान युवाओं की सबसे बड़ी आबादी: मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी के पास प्रतिभावान युवाओं की बड़ी आबादी हैए सबसे अधिक उर्वरा भूमि है। कृषि क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र व सर्विस क्षेत्र के पास अन्नत संभावनाएं है। 2017 के पहले प्रदेश में केवल 3 करोड़ पर्यटक आते थे। इस बार अकेले महाकुम्भ में 66 करोड़ पर्यटक आये। सर्विस सेक्टर रोजगार के कई अवसर प्रदान करता है। यह सेक्टर गाइड के रूप में, होटल व्यवसाय में, टैक्सी प्रदाता के रूप में रोजगार उपलब्ध कराता है। कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में मॉडर्न मेडिसिन में काफी विकास किया है। इसमें आगे काफी चुनौतियां व संभावनाएं दोनों है। परम्परागत मेडिसिन जैसे आयुर्वेद भारत में भारत अपने आपको हेल्थ टूरिज्म के रूप में विकसित कर सकता है।

कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन भारत में पाणिनी, सुश्रुत, चरक जैसे विद्वानों ने तक्षशिला विश्वविद्यालय में अपने ग्रन्थों की रचना की थी। ये दुनिया का पहला विश्वविद्यालय था। इस विश्वविद्यालय ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों यथा खगोल, ज्योतिष, आयुर्वेद भूगोल, राजनीति की शिक्षा में अपनी महारत सिद्ध की थी। उन्होंने कहा कि हम भी अपने शैक्षिक संस्थानों को रिसर्च व इनोवेशन का केन्द्र बना सकते है। तक्षशिला विश्वविद्यालय के छात्र जीवक ने अपने गुरू के आदेशानुसार समस्त वनस्पतियों पर शोध के बाद ये बताया कि कोई वनस्पति ऐसी नही है जिसमें कोई औषधि गुण न हो।

उन्होंने कहा कि भारत की ऋषि परम्परा भी कहती है कि कोई अक्षर ऐसा नही है जिसमें मंत्र बनने का सामर्थ्य न हो। यह परम्परा कहती है कि कोई भी अयोग्य नही है, बल्कि हर व्यक्ति योग्य है और एक योजक के रूप में अपनी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश के लिए प्रदेश के हर नागरिक को छोटे–छोटे लक्ष्य बनाना चाहिए।

सर्वश्रेष्ठ सुझावों को किया जाएगा पुरस्कृत: मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047 के लिए हर नागरिक समर्थ उत्तर प्रदेश पोर्टल पर अपना सुझाव अवश्य दे। कहा कि जनपद के विकास से जुड़े सर्वश्रेष्ठ तीन सुझाव को सम्मानित किया जायेगा। इसी प्रकार राज्य के विकास से जुड़े पांच सर्वश्रेष्ठ सुझाव को सम्मानित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में लाखों की संख्या में सुझाव आ रहे है। इस पर पूरी टीम कार्य कर रही है।

सीएम योगी के नेतृत्व में रोल मॉडल बनकर उभरा यूपी रू कुलपति: स्वागत संबोधन में एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विकसित भारत के लिए तय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सुरक्षा, सुशासन, विकास और निवेश के साथ जन कल्याण के क्षेत्र में पूरे देश के सामने रोल मॉडल बनकर उभरा है।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह, प्रदेश सरकार के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं वर्तमान में प्रदेश सरकार के फार्मा सलाहकार डॉ. जीएन सिंह,

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.पूनम टंडन, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह, एम्स गोरखपुर की कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल डॉ. विभा दत्ता, बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार, एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. संजय माहेश्वरी, गुरु गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पदाधिकारी, सदस्य, परिषद की संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, प्रबुद्धजन, अन्य संस्थाओं के शिक्षक, चिकित्सक, अधिवक्ता, आर्किटेक्ट, इंजीनियरए उद्योगपति आदि मौजूद रहें।

आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025

गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान

गआयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते वैद्य आकाश चन्द्र त्रिपाठी

दिनांकः 22 सितम्बर, 2025। आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत आज गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर में युवाओं के लिए आयुर्वेद जागरूकता विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई एवं आयुर्वेद कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि वैद्य आकाश चन्द्र त्रिपाठी ने अपने व्याख्यान में कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान का सबसे प्राचीन और संपूर्ण रूप है।

इसे केवल घरेलू नुस्खों तक सीमित मानना भ्रांति है। आयुर्वेद उचित आहार, व्यायाम और दिनचर्या के माध्यम से युवाओं को रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवन की दिशा दिखाता है। यह न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का भी संदेश देता है।

डॉ0 यामिनी त्रिपाठी ने महिलाओं के स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए मिलेट अर्थात श्रीअन्न अनाज अत्यंत उपयोगी हैं। ये न केवल पोषण तत्व प्रदान करते हैं बल्कि हार्मोनल संतुलन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करते हैं।

डॉ. यामिनी ने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बल देते हुए सात्विक आहार, योग, ध्यान और संयमित दिनचर्या की आवश्यकता बताई। उन्होंने धारणीय और अधारणीय वेग के विषय में समझाते हुए कहा कि प्राकृतिक वेगों को रोकने से अनेक रोग उत्पन्न होते हैं। आयुर्वेद इनके नियमन द्वारा महिलाओं को समग्र स्वास्थ्य प्रदान करता है।

उन्होंने आयुर्वेद में वर्णित रजस्वला परिचर्या के बारे में बताते हुए कहा कि माहवारी के दौरान हल्का व सुपाच्य आहारए पर्याप्त विश्राम और मानसिक शांति महिलाओं के लिए अनिवार्य हैं। यह न केवल तत्कालिक स्वास्थ्य बल्कि दीर्घकालीन प्रजनन स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इसके साथ ही उन्होंने गर्भिणी परिचर्या और सूतिका परिचर्या पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गर्भावस्था एवं प्रसव उत्तर काल में आहार–विहार और औषधियों की विशेष देखभाल माँ और शिशु दोनों के स्वास्थ्य की नींव है। मासानुसार आहार एवं प्रसवोत्तर स्नान–विधि, विश्राम और पौष्टिक आहार की परंपरा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी प्राचीन काल में थी।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की रजस्वला, गर्भिणी और सूतिका परिचर्या वास्तव में विमेन हेल्थ गाइडलाइन है, जो स्त्रियों को जीवन के हर चरण में स्वास्थ्य, दीर्घायु और मानसिक संतुलन प्रदान करती हैं।

डॉ. शांति भूषण ने और डॉ. मिनी ने क्रमशः स्वागत भाषण ने किया और आभार ज्ञापन किया।

परिसर में द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. यास्मीन एस, डॉ. श्रीनाथ आर. के मार्गदर्शन में एक लघु औषधि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में 70 से अधिक औषधीय पौधों का प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शनी आम लोगों, छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए लाभदायक रही।

इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. सुमित, राष्ट्रीय सेवा योजना अष्टावक्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्री नाथ, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. मिनी, डॉ. देवी, डॉ. गोपीकृष्ण आचार्य, डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी सहित संस्थान के सभी प्राध्यापक, चिकित्सक, बीएएमएस विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान में महिलाओं को प्रसवपूर्व देखभाल पर जागरूकत करतीं छात्राएं

दिनांकः 22 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचप्लित नर्सिंग विभाग के बीएस्सी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा 'स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत नाटक प्रदर्शन के मध्यम से 'प्रसवपूर्व देखभाल पर जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशिक्षु नर्सिंग के छात्राओं ने अपनी शिक्षिका (मिस सोसन दान) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम गोरखपुर जनपद के ग्राम सोनबरसा में आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'गर्भवती महिलाओं और ग्रामीण समुदाय को प्रसव पूर्व देखभाल के महत्व से अवगत कराना और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना था।' नाटक के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों, पोषण संबंधी जानकारी, समय पर स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व के बारे में

जागरूक किया गया।

प्रस्तुति में स्वस्थ एवं अस्वस्थ गर्भवती महिला के उदाहरण देकर परिवार व समाज की भूमिका, समुदाय से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तक की सेवाओं और स्वास्थ्य सहायिकाओं के सहयोग को विशेष रूप से दर्शाया गया। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं में होने वाली प्रमुख जटिलताओं जैसे मूर्छा, पेट दर्द, बार–बार उल्टी, मानसिक चिंताए हाथ–पैर व चेहरे की सूजनए तेज बुखार आदि की जानकारी दी गई।

साथ ही, पोषण पर जोर देते हुए प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ (दालें), कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थ (दूध एवं दुग्ध उत्पाद) और आयरन युक्त खाद्य पदार्थ (हरी पत्तेदार सब्जियां, गुड़ आदि) के महत्व को समझाया गया। टीकाकरण (टीडी, डिप्थीरिया) की अनिवार्यता, जीवनशैली में बदलाव जैसे हल्के व्यायाम, 15–20 मिनट पैदल चलना एवं प्राणायाम (अनुलोम– विलोम) का अभ्यास करने की सलाह दी गई।

साथ ही गर्भावस्था में दी जाने वाली दवाओं जैसे आयरन, फोलिक एसिड और कैल्शियम की गोलियों का सही समय पर सेवन करने की विधि बताई गई। उपस्थित महिलाओं ने यह समझा कि गर्भावस्था में छोटी सी लापरवाही से गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं, जबकि सही देखभाल से माँ और बच्चे दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रखा जा सकता है।

अंत में छात्राओं ने बताया की नारी शक्ति विकसित भारत का प्रमुख स्तंभ है और 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' महिला.नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक महाअभियान है। इस कार्यक्रम के मुख्य विषय के अंतर्गत हमारे विश्वविद्यालय ने यह कार्यक्रम आयोजित किया एवं महिलाओं ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गए इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता की अपेक्षा जताई।

इस प्रकार जागरूकता और स्वास्थ्य शिक्षा से परिपूर्ण यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय, चरगांवा में ट्रैफिक नियमों की जानकारी देतीं छात्राएं

दिनांकः 23 सितम्बर, 2025 महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग पांचवें सेमेस्टर की छात्राओं ने शिक्षिका मिस गरिमा चौधरी के निर्देशन में एक स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया।यह कार्यक्रम सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों पर जन–जागरूकता के उद्देश्य से सोनबरसा, क्षेत्र–चरगाँवा, जनपद–गोरखपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में कुल 142 छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे, कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर एवं फ्लैश कार्ड जैसे प्रभावशाली शिक्षण माध्यमों का उपयोग कर बच्चों को सड़क पर सुरक्षित चलने, ट्रैफिक सिग्नलों को समझने, हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और सड़क पार करने के नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत एक रंगारंग रोल प्ले से हुई, जिसमें छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाओं के कारण और उनसे बचाव को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद कठपुतली शो के माध्यम से बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियमों से जोड़ा गयाए जिससे उनका उत्साह और समझ दोनों बढ़े। कार्यक्रम के अंतिम चरण में बच्चों से प्रश्न पूछे गए। जिन बच्चों ने सही उत्तर दिएए उन्हें पुरस्कार स्वरूप उपहार प्रदान किए गए।

अंत में सभी उपस्थित बच्चों को फलों एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गयाए जिससे कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्वक और आनंदमय वातावरण में हुआ।

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम — फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम में जागरूक करती छात्राएं

दिनांकः 24 सितम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग पांचवें सेमेस्टर की छात्राओं ने शिक्षिका मिस गरिमा चौधरी के निर्देशन में एक स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम सामान्य बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार पर जन–जागरूकता के उद्देश्य से सोनबरसा, क्षेत्र (चरगाँवा, जनपद–गोरखपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 142 छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर एवं फ्लैश कार्ड जैसे प्रभावशाली शिक्षण माध्यमों का उपयोग कर बच्चों को सामान्य बीमारियाँ जैसे सर्दी– जुकाम, दस्त, बुखार, त्वचा संक्रमण आदि की पहचान, उनके प्राथमिक उपचार, स्वच्छता के उपाय, हाथ धोने की विधि, साफ–सफाई का महत्व और सही खानपान की जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरुआत एक रंगारंग रोल प्ले से हुई, जिसमें छात्राओं ने सामान्य बीमारियों के कारण, लक्षण और उनसे बचाव को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद कठपुतली शो के माध्यम से बच्चों को दैनिक जीवन में स्वास्थ्य संबंधी आदतों के महत्व से जोड़ा गया, जिससे उनका उत्साह और समझ दोनों बढ़े कार्यक्रम के अंतिम चरण में बच्चों से प्रश्न पूछे गए। जिन बच्चों ने सही उत्तर दिए, उन्हें पुरस्कार स्वरूप उपहार प्रदान किए गए।

अंत में सभी उपस्थित बच्चों को फलों एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गयाए जिससे कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्वक और आनंदमय वातावरण में हुआ।

इसी दिन पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा मिस सुधा यादव के मार्गदर्शन में एक अन्य जन.जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन इंद्रासन इंटर कॉलेजए बालापार में किया गया।

यह कार्यक्रम 'स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का विषय था मासिक धर्म स्वच्छता, जिसमें कक्षा 8वीं से 12वीं तक के छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

इस अवसर पर छात्रों ने पोस्टर प्रेज़ेंटेशन एवं स्किट (नाट्य प्रस्तुति) के माध्यम से मासिक धर्म के दौरान अपनाई जाने वाली स्वच्छता, इससे जुड़ी भ्रांतियाँ, सही सैनिटेशन उत्पादों का उपयोगए संक्रमण से बचाव आदि महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं।

कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को मासिक धर्म के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और सामाजिक रूप से स्वीकृत व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

प्रतिभागी छात्रों ने विषय में गहरी रुचि दिखाई और अंत में प्रश्नोत्तरी सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।दोनों ही कार्यक्रमों ने समाज में स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता की दिशा में सार्थक और प्रभावशाली योगदान दिया।

मेंटरशिप कार्यक्रम — फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

मेंटरशिप कार्यक्रम में उपस्थित प्राचार्य एवं प्राध्यापकगण

दिनांकः 24 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचप्लित नर्सिंग विभाग में मेंटरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत चार दिवसीय सितम्बर, 2025 प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी संरक्षक (मिस सोसन दान तथा मिस श्रद्धा) एवं सभी अनुभाग प्रभारी (मिस प्राची यादव, मिस श्रद्धा, मिस समरीन एवं मिस सुप्रिया) द्वारा आयोजित किया गया जिसका आज प्रथम दिन रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्रिंसिपल (डॉ. डी. एस. अजेथा), वाइस प्रिंसिपल (श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज) और विभिन्न कॉलेजों (सावित्री हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल इंस्टीटच्यूट, फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चंद्रमौली नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज, शंकर नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज, शांति सिंह स्मारक संस्थान एवं शोध केंद्र, बलिया) से आए कुल 30

प्रतिभागीयो, नर्सिंग कॉलेज के संकाय सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा सभी प्रतिभागीयो के पंजीकरण एवं स्वागत से किया गया।

साथ ही कार्यक्रम का परिचय प्रभारी संरक्षक (मिस सोसन दान) द्वारा दिया गया| जिसका मुख्य उद्देश्य नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना, फैकल्टी की दक्षताओं को सशक्त करना, मेंटरशिप की अवधारणा को स्पष्ट करना तथा फैकल्टी विकास को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के लक्ष्य प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नीति–निर्माण की समझ और सहयोगात्मक कार्यसंस्कृति को विकसित करना रहा| कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें मेंटर की परिभाषा, गुण, भूमिकाएँ, जिम्मेदारियाँ, कार्य का दायरा और आवश्यक दक्षताएँ शामिल थीं।

साथ ही मेंटर्शिप प्रोग्राम एवं एनईएएनसी का अवलोकन, गुणवत्ता, गुणवत्ता सुधार, प्रदर्शन मानक एवं क्वालिटी इम्प्रूवमेंट साइकिल पर विशेष बल दिया गया। प्रतिभागियों ने नर्सिंग एजुकेशन परफॉर्मेंस स्टैण्डड्र्स पर समूह कार्य किया और परिणामों को समूह प्रस्तुति में प्रस्तुत किया।

प्रतिभागियों ने समझा कि शिक्षा की गुणवत्ता को मापने और सुधारने के लिए मानक आधारित दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है और एक प्रभावी मेंटर न केवल मार्गदर्शन करता है बल्कि फैकल्टी व छात्रों की प्रगति के लिए निरंतर सहयोग भी देता है।

यह सत्र नर्सिंग संकाय के लिए ज्ञानवर्धनए विचार–विनिमय और मेंटरशिप कौशल को सशक्त बनाने का एक मूल्यवान अवसर साबित हुआ।

मेंटरशिप कार्यक्रम

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

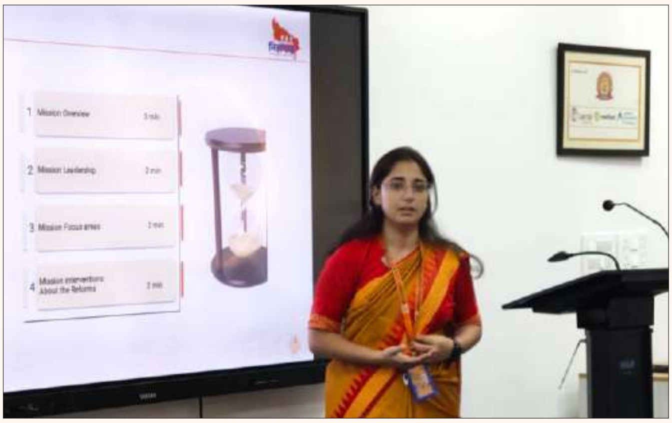

मेंटरशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग करतीं अध्यापिकाएं

दिनांकः 25 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग में मेंटरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आज का मुख्य विषय 'शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया' रहा।

इस दिवस का शुभारंभ मिस सुप्रिया श्रीवास्तव द्वारा पंजीकरण एवं स्वागत संबोधन से हुआ, जिसमें विभिन्न कॉलेजों – (सावित्री हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चंद्रमौली नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, शंकर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, शांति सिंह स्मारक संस्थान एवं शोध केंद्र, बलिया) से आए कुल 30 प्रतिभागियों तथा नर्सिंग कॉलेज के सभी संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही। इस आयोजन का संचालन प्रभारी संरक्षक (मिस सोसन दान एवं मिस श्रद्धा) के मार्गदर्शन में तथा अनुभाग प्रभारियों (मिस प्राची यादव, मिस श्रद्धा, मिस समरीन एवं मिस सुप्रिया) के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया की गहरी समझ प्रदान करना, कक्षा में प्रभावी शिक्षण वातावरण तैयार करना, विषय–वस्तु को प्रभावी रूप से वितरित करना और समूह गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की दक्षता का मूल्यांकन करना था प् कार्यक्रम की शृंखला में सर्वप्रथम मिस सुप्रिया श्रीवास्तव ने मिशन निरामया की रूपरेखा प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने इसकी आवश्यकता, लाभ, नेतृत्व की भूमिका जो एबीवीएमयू और यूपीएसएमएफ जैसी नियामक संस्थाओं द्वारा नियंत्रित होती है, नर्सिंग शिक्षा और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में क्या चुनौतियाँ देखने को मिल रही थी और इसमें सुधार कैसे किया गया है उसके बारे में बताया। तत्पश्चात मिस अभया प्रजापति ने नर्सिंग इकोसिस्टम – संस्थागत पाठ्यक्रम योजना पर प्रकाश डाला जिसमें समूह गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं, विद्यार्थियों की दक्षता मापने की विधियों, शिक्षण वातावरण तैयार करने तथा कक्षा में प्रभावी विषय–वस्तु प्रस्तुत करने पर

विचार–विमर्श किया।

इसके उपरांत मिस निधि पासवान एवं मिस समरीन खातून द्वारा एक प्रभावी शिक्षण वातावरण कैसे तैयार करेंए कक्षा में विषय–वस्तु वितरित करने के लिए प्रभावी शिक्षण वातावरण कैसे तैयार किया जाए तथा समूह गतिविधि आधारित विभिन्न शिक्षण–अधिगम विधियों की जानकारी दी।

कौशल विकास विषय पर मिस सोसन दान द्वारा मार्गदर्शन किया गया तथा दिन का समापन ज्ञान एवं कौशल मूल्यांकन सत्र से हुआ जिसे अनुभाग प्रभारियों ने संचालित किया। प्रतिभागियों ने आज की सत्र से सीखा कि कैसे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए, कक्षा में विषय. वस्तु प्रस्तुत करने और मूल्यांकन करने के तरीके, समूह गतिविधियों के माध्यम से सीखने को कैसे सक्रिय बनाना चाहिए।

मेंटरशिप कार्यक्रम

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

मेंटरशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग करतीं अध्यापिकाएं

दिनांकः 26 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग में मेंटरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का तीसरा दिन 'क्लिनिकल एवं सामुदायिक अभ्यास प्रक्रिया' विषय पर केंद्रित रहा। इस दिवस का शुभारंभ मिस विनीता प्रजापति द्वारा पंजीकरण एवं पूर्व.प्रशिक्षण ज्ञान मूल्यांकन से हुई। जिसमें विभिन्न कॉलेजों– (सावित्री हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चंद्रमौली नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, शंकर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, शांति सिंह स्मारक संस्थान एवं शोध केंद्र, बलिया) से आए कुल 30 प्रतिभागियों तथा नर्सिंग कॉलेज के सभी संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही। इस आयोजन का संचालन प्रभारी संरक्षक (मिस सोसन दान एवं मिस श्रद्धा) के मार्गदर्शन में तथा अनुभाग प्रभारियों (मिस प्राची यादव, मिस समरीन एवं मिस सुप्रिया, मिस अभय प्रजापतिए, मिस विनीता) के सहयोग से किया गया। इसके पश्चात मिस विनीता द्वारा परिचय, अपेक्षाएँ, नियम तथा एजेंडा पर चर्चा की गई। तत्पश्चात श्रीमती रजिता आरएम ने छात्रों द्वारा किए जाने वाले विभिन्न प्रक्रियाओं पर विचार किया गया तथा क्लिनिकल उद्देश्यों का विकास क्लिनिकल रोटेशन योजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। मिस विनीता द्वारा क्लिनिकल कोऑर्डिनेशन कमेटी की संरचना, भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्वों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही मिस प्राची यादव द्वारा क्लिनिकल अभ्यास से जुड़े हितधारकों की भूमिका तथा छात्रों के लिए कौशल अभिलेख पत्र पर चर्चा की गई। इसके पश्चात मिस अभया ने सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग में छात्रों द्वारा प्राप्त की जाने वाली कौशल क्षमताओं पर जानकारी दी गई, मिस सुप्रिया श्रीवास्तव ने सामुदायिक रोटेशन योजना में शामिल किए जाने वाले क्षेत्रों की व्याख्या की तथा मिस श्रद्धा द्वारा सामुदायिक अभ्यास प्रक्रिया का सार प्रस्तुत किया गया एवं फीडबैक लिया गया, तत्पश्चात–प्रशिक्षण ज्ञान मूल्यांकन तथा फीडबैक फॉर्म भरवाकर कार्यक्रम का सफल समापन किया गया।

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

मेंटरशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग करतीं प्राध्यापकगण

दिनांकः 26 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकलए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से 'रक्तदान शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम' का सफल आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में रक्तदान के महत्व को समझाना, युवाओं को प्रेरित करना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना था। जिसका संचालन मिस प्रिया सिंह एवं मिस कविता साहनी द्वारा किया गया।

शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. प्रदीप राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के

निदेशक डॉ. हरिओम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीता, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. हरिओम, सीएमओ डॉ.अवधेश अग्रवाल तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक से जुड़े सदस्यों एवं लैब टेक्नीशियन (चंद्रशेखर यादव, हर्ष गुप्ता एवं खुशी सिंह) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज, पैरामेडिकल एवं बीएएमएस के विद्यार्थी तथा सभी संकाय सदस्य सम्मिलित हुए। रक्तदान से पूर्व स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर में कुल 152 सदस्यों ने पंजीकरण कराया तथा उनमें से लगभग 56 सदस्यों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया।

रक्तदान में डॉ. प्रदीप राव (रजिस्ट्रार), डॉ. रोहित श्रीवास्तव (प्राचार्य, पैरामेडिकल), डॉ. दीपु मनोहर (सहायक प्राध्यापक, बीएएमएस), श्री अभिनव सिंह राठौर (पैरामेडिकल संकाय), सुश्री कविता साहनी (नर्सिंग संकाय) सहित नर्सिंग कॉलेज छात्राओं (जिनमें बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष से रुद्र प्रताप, प्रिंस, सिद्धार्थ तथा जीएनएम तृतीय वर्ष से जया, वंदना, एएनएम से अंबालिका प्रजापति, रजनी, अनुष्का, बीएएमएस से स्वाति, वैभव, प्रियांशी, पैरामेडिकल से सत्यम मॉल, अभिनव सिंह, राम सागर यादव, मंदीप, प्रियांशी गुप्ता इत्यादी) ने रक्तदान किया। उपस्थित लोगो को यह बताया कि रक्तदान शिविर का लाभ यह है कि रक्तदान से न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती हैए बल्कि दाता के स्वास्थ्य के लिए भी यह लाभकारी होता है।

इस कार्यक्रम से यह संदेश दिया गया कि श्रक्तदान महादान है। और यह प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति का सामाजिक दायित्व है।

कार्यक्रम की नीति शिक्षा यही रही कि स्वस्थ समाज और सशक्त परिवार के निर्माण में रक्तदान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस प्रकार यह जागरूकता एवं सहयोग से परिपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

इसके पश्चात अस्पताल प्रशासन की ओर से सभी रक्तदाताओं को रिफ्रेशमेंट, प्रमाणपत्र एवं की–रिंग प्रदान किए गए।

रक्तदान शिविर

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करते माननीय कुलसचिव एवं अध्यापकगण

दिनांक: 26 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखानाथ विश्वविद्यालय में 'स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत महायोगी गोरखानाथ चिकित्सालय एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से 'रक्तदान शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम' का सफल आयोजन महायोगी गोरखानाथ चिकित्सालय में किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में रक्तदान के महत्व को समझानाए युवाओं को प्रेरित करना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना था, जिसका संचालन मिस प्रिया सिंह एवं मिस कविता साहनी द्वारा किया गया।

शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. प्रदीप राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. हरिओमए, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी एस अजीता, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. हरिओम, सीएमओ डॉ.अवधेश अग्रवाल तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक से जुड़े सदस्यों एवं लैब टेक्नीशियन (चंद्रशेखर यादव, हर्ष गुप्ता एवं खुशी सिंह) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेजए पैरामेडिकल एवं बीएएमएस के विद्यार्थी तथा सभी संकाय सदस्य सम्मिलित हुए। रक्तदान से पूर्व स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

इस शिविर में कुल 152 सदस्यों ने पंजीकरण कराया तथा उनमें से लगभग 56 सदस्यों ने सफलतापूर्वक रक्तदान

किया। रक्तदान में डॉ. प्रदीप राव (रजिस्ट्रार), डॉ.रोहित श्रीवास्तव (प्राचार्य, पैरामेडिकल), डॉ. दीपु मनोहर (सहायक प्राध्यापक, बीएमएस), श्री अभिनव सिंह राठौर (पैरामेडिकल संकाय), सुश्री कविता साहनी (नर्सिंग संकाय) सहित नर्सिंग कॉलेज छात्राओं (जिनमें बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष से रुद्र प्रताप, प्रिंस, सिद्धार्थ तथा जीएनएम तृतीय वर्ष से जया, वंदना, एएनएम से अंबालिका प्रजापति, रजनी, अनुष्का, बीएएमएस से स्वाति, वैभव, प्रियांशी, पैरामेडिकल से सत्यम मॉल, अभिनव सिंह, राम सागर यादव, मंदीप, प्रियांशी गुप्ता इत्यादी) ने रक्तदान किया। उपस्थित लोगो को यह बताया कि रक्तदान शिविर का लाभ यह है कि रक्तदान से न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है, बल्कि दाता के स्वास्थ्य के लिए भी यह लाभकारी होता है। इस कार्यक्रम से यह संदेश दिया गया कि श्रक्तदान महादान है और यह प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति का सामाजिक दायित्व है।

कार्यक्रम की नीति शिक्षा यही रही कि स्वस्थ समाज और सशक्त परिवार के निर्माण में रक्तदान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस प्रकार यह जागरूकता एवं सहयोग से परिपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात अस्पताल प्रशासन की ओर से सभी रक्तदाताओं को रिफ्रेशमेंट, प्रमाणपत्र एवं की–रिंग प्रदान किए गए।

मेंटरशिप कार्यक्रम — फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

मेंटरशिप कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकगण

दिनांक: 27 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग में मेंटरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का चौथा दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दिवस का मुख्य विषयः 'प्रबंधकीय कार्यक्रम' रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मिस विनीता प्रजापति द्वारा पंजीकरण एवं पूर्व–प्रशिक्षण ज्ञान मूल्यांकन से किया गयाए जिसमें सावित्री हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चंद्रमौली नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, शंकर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज तथा शांति सिंह स्मारक संस्थान एवं शोध केंद्र, बलिया से आए कुल 30 प्रतिभागियों की उपस्थिति रहीं। साथ ही नर्सिंग कॉलेज के सभी संकाय सदस्य भी इसमें सम्मिलित हुए। इस आयोजन का संचालन प्रभारी संरक्षक (मिस सोसन दान एवं मिस श्रद्धा) के मार्गदर्शन में तथा अनुभाग प्रभारियों (मिस प्राची यादव, मिस समरीन, मिस सुप्रिया, मिस अभय प्रजापति एवं मिस विनीता) के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रतिभागियों का परिचय एवं स्वागत संबोधन सुश्री श्रद्धा द्वारा किया गया। इसके पश्चात प्रबंधकीय प्रक्रिया एवं एक प्रबंधक के रूप में किन. किन क्षेत्रों पर ध्यान देना आवश्यक है विषय पर श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज ने प्रतिभागियों को सहभागितापूर्ण चर्चा के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया। तत्पश्चात कॉलेज ऑफ नर्सिंग में गठित विभिन्न समितियों के बारे में डॉ. डी. एस. अजेथा द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का समापन प्रतिक्रिया एवं समापन सत्र से हुआए जिसका संचालन मिस श्रद्धा एवं मिस प्राची द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की और इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया

श्रद्धांजलि

स्व. प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रति कुलाधिपति

दिनांकः 27 सितम्बर, 2025। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रति कुलाधिपति, प्रो. उदय प्रताप सिंह (प्रो. यूपी सिंह) के निधान पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संकाय के समस्त आचार्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रो. सिंह के महान योगदान एवं कार्यों को स्मरण कर भांवभिनी. श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

संकाय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ. अमित जी ने श्रद्धा–सुमन अर्पित करतें हुए कहां कि प्रो. सिंह का जीवन विद्वता, कर्मठता और संगठन कौशल का प्रतीक रहा है। गणित विषय के विद्वान प्रो. सिंह का पूरा जीवन गोरक्षपीठ और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को समर्पित रहा। उन्हें यह सौभाग्य प्राप्त हुआ कि उन्होंने गोरक्षपीठ के लगातार तीनों पीठाधीश्वरो– ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज, राष्ट्र सन्त ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज और वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सानिध्य में कार्य करने का गौरव प्राप्त किया।

प्रो. सिंह का जीवन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं विद्यार्थियों के हित व विकास हेतु एक तपस्वी के समान सदैव शुभ कार्यों के निष्पादन में अग्रणी भूमिका में अपने योगदान दिया।

ऐसे महान मां भारती के सपूत व पुरोधा के प्रति स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने मौन धारण कर अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त कर और उनके आदर्शों एवं कर्मों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

श्रद्धांजलि सभा में प्रोण्सिंह के जीवन को रेखांकित कर उनके शैक्षिक योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। प्रो. सिंह उत्कृष्ट शिक्षक जी के रूप में मां भारती के बहुमूल्य रत्न के रूप में सतत अपने योगदान से शिक्षा एवं पूर्वांचल की भावी पीढ़ीयों के शिल्पकार के रूप में आजीवन शिक्षण कार्यों के माध्यम से सिंचित करतें रहें हैं।

आप ने पूर्व में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति के रूप में भी अपनी सेवाएँ दीं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भी महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य और योगदान सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे और आने वाली पीढ़ियाँ उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करती रहेंगी।

शैक्षणिक भ्रमण

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 29 सितम्बर, 2025 को रामगढ़ ताल रामपुर, गोरखपुरए उत्तर प्रदेश में स्थित जल संयन्त्र का भ्रमण महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने किया। यह कॉलेज की तरफ से शैक्षणिक रहा, इसमें एएनएम प्रथम वर्ष की कुल 50 छात्राएं एवं एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष की छात्राएं तथा शिक्षिका (मिस साक्षी प्रजापति) शामिल रहीं स विश्व विद्यालय से संयन्त्र तक की कुल दूरी 18

किलोमीटर रही। छात्राओं को जल संयन्त्र के प्रभारी अनुराग श्रीवास्तव और प्रबंधक हनुमंत उपाध्याय ने कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी, जिसमे सबसे पहले छात्राओं को जल संयन्त्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया।

उनको वहां के कुल संयंत्र प्रयोगशाला, प्रतिदिन कुल जल के सफाई का लागत, जल संयंत्र के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभए वातावरण की सफाई–सफाई इत्यादि से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सीवेज जल उपचार के लिए क्लोरीनीकरण अथवा अन्य कई केमिकल्स का इस्तेमल करते हुए मुख्य रूप से चार तरिके अपनाएं जाते हैं .

भौतिक जैविक, रसायन और किचड़ जल उपचार इन तरीकों का पालन करके उचित जल की सभी दूषित पदार्थो को सूक्ष्म जीव से रहित किया जाता है और उपचार जल में परिवर्तित किया जाता है, जो मानव उपयोग और पर्यावरण दोनों के लिए सुरक्षित होता है।

उन्होंने यह भी बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में दो सीवेज उपचार संयन्त्र का निर्माण किया गया है जिसमें एक सूर्यकुंड में स्थित है।

सरकार द्वारा प्रति वर्ष इसके लिए 66 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैंए जिसमें से 6000 रुपये प्रति मिली प्रतिदिन का लागत है।

अंत में वह कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाएं हेतु पीपीई किट, दवाइयां, आपात्कालिन प्रोटोकॉल, कुल कर्मचारियों की संख्या तथा उपकरणों इत्यादि के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारियां दी गयी।

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान के दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करतीं नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 00 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग के बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा 'स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत 'महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षु नर्सिंग छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं (मिस शक्ति और मिस निधि पासवान) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम गोरखपुर जनपद के ग्राम सोनबरसा में ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों के लिए आयोजित किया। कार्यक्रम का 'मुख्य उद्देश्य' ग्रामीण समाज में महिलाओं के अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और समान अवसरों के प्रति जागरूकता फैलाना था। छात्राओं ने महिलाओं और परिवारों को चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से यह जानकारी दी कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को समान अधिकारए सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान करनाए ताकि वे अपने परिवार और समाज के विकास में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। कार्यक्रम में छात्राओं ने महिला शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि महिला शिक्षा न केवल परिवार के बच्चों की परवरिश में मदद करती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक होती है। इसके अलावाए कन्या भ्रूण हत्या और दहेज प्रथा के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। ग्रामीण महिलाओं को समझाया गया कि बेटी का जन्म समाज और परिवार के लिए समान महत्व रखता है और दहेज प्रथा सामाजिक कुरीति है, जिसे रोकना आवश्यक है।

इस कार्यक्रम ने न केवल ग्रामीण लोगों में जागरूकता बढ़ाई, बल्कि छात्राओं के लिए भी यह अनुभव प्रदान किया कि समाज सेवा, स्वास्थ्य शिक्षा और महिला सशक्तिकरण में उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का नैतिक संदेश ग्रामीण लोगों के लिए यह था कि महिलाओं का सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा समाज की मजबूती के लिए अनिवार्य है।

वहीं छात्राओं के लिए यह अनुभव उनके व्यावसायिक कौशल, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी को सशक्त बनाने वाला था। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने उत्साह और सराहना व्यक्त की और इस प्रकार यह पहल ग्रामीण समाज और छात्राओं दोनों के लिए लाभकारी साबित हुई।

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान — फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान में जागरूक करतीं छात्राएं

दिनांकः 30 सितम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग के बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा 'स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत 'महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षु नर्सिंग छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं (मिस शक्ति और मिस निधि पासवान) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम गोरखपुर जनपद के ग्राम सोनबरसा में ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों के लिए आयोजित किया।

कार्यक्रम का 'मुख्य उद्देश्य' ग्रामीण समाज में महिलाओं के अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और समान अवसरों के प्रति जागरूकता फैलाना था। छात्राओं ने महिलाओं और परिवारों को चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से यह जानकारी दी कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को समान अधिकारए सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान करनाए ताकि वे अपने परिवार और समाज के विकास में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। कार्यक्रम में छात्राओं ने महिला शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि महिला शिक्षा न केवल परिवार के बच्चों की परवरिश में मदद करती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक होती है। इसके अलावाए कन्या भ्रूण हत्या और दहेज प्रथा के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। ग्रामीण महिलाओं को समझाया गया कि बेटी का जन्म समाज और परिवार के लिए समान महत्व रखता है और दहेज प्रथा सामाजिक कुरीति है, जिसे रोकना आवश्यक है। इस कार्यक्रम ने न केवल ग्रामीण लोगों में जागरूकता बढ़ाई, बल्कि छात्राओं के लिए भी यह अनुभव प्रदान किया कि समाज सेवाए स्वास्थ्य शिक्षा और महिला सशक्तिकरण में उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का नैतिक संदेश ग्रामीण लोगों के लिए यह था कि महिलाओं का सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा समाज की मजबूती के लिए अनिवार्य है। वहीं, छात्राओं के लिए यह अनुभव उनके व्यावसायिक कौशल, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी को सशक्त बनाने वाला था। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने उत्साह और सराहना व्यक्त की और इस प्रकार यह पहल ग्रामीण समाज और छात्राओं दोनों के लिए लाभकारी साबित हुई।

शैक्षणिक भ्रमण — फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 30 सितम्बर, 2025 को रामगढ़ ताल रामपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित जल संयन्त्र का भ्रमण महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने किया स यह कॉलेज की तरफ से शैक्षणिक रहा। इसमें एएनएम प्रथम वर्ष की शेष 50 छात्राएं एवं शिक्षिका (मिस सोसन दान) शामिल रहीं स विश्व विद्यालय से संयन्त्र तक की कुल दूरी 18 किलोमीटर रही स छात्राओं को जल संयन्त्र के प्रभारी अनुराग श्रीवास्तव और प्रबंधक हनुमंत उपाध्याय ने कुछ महत्तवपूर्ण जानकारियां दी, जिसमे सबसे पहले छात्राओं को जल संयन्त्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। उनको वहां के कुल संयंत्र प्रयोगशाला, प्रतिदिन कुल जल के सफाई का लागत जल संयंत्र के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभ, वातावरण की सफाई–सफाई इत्यादि से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सीवेज जल उपचार के लिए क्लोरीनीकरण अथवा अन्य कई केमिकल्स का इस्तेमल करते हुए मुख्य रूप से चार तरिके अपनाएं जाते हैं। भौतिक, जैविक एरसायन और किचड़ जल उपचार इन तरीकों का पालन करके उचित जल की सभी दूषित पदार्थो को सूक्ष्म जीव से रहित किया जाता है और उपचार जल में परिवर्तित किया जाता है, जो मानव उपयोग और पर्यावरण दोनों के लिए सुरक्षित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में दो सीवेज उपचार संयन्त्र का निर्माण किया गया है जिसमें एक सूर्यकुंड में स्थित है। सरकार द्वारा प्रति वर्ष इसके लिए 66 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैं, जिसमें से 6000 रुपये प्रति मिण्लीण् प्रतिदिन का लागत है स अंत में वह कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाएं हेतु पीपीई किट, दवाइयां, आपात्कालिन प्रोटोकॉल ए कुल कर्मचारियों की संख्या तथा उपकरणों इत्यादि के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारियां दी।

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

16 से 18 अक्टूबर, 2025	अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
30 अक्टूबर से 15 नवंबर 2025	नवप्रवेशित विद्यार्थियों (माधवकर बैच) का दीक्षा पाठ्यचर्या

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

06 से 18 अक्टूबर, 2025	एमबीबीएस 2025–26 बैच का फाउंडेशन कोर्स
06 अक्टूबर, 2025	एमबीबीएस 2024–25 बैच के फेज–2के पाठ्यक्रम का आरंभ

कृषि संकाय

13 अक्टूबर, 2025	अध्ययन बोर्ड की बैठक
14 अक्टूबर, 2025	संकाय बोर्ड की बैठक
31 अक्टूबर, 2025	डॉ सुधांशु सिंह, निदेशक इरी, वाराणसी का अतिथि व्याख्यान

समाचार दर्पण

शिविर में सौ से अधिक लोगों को दिया गया परामर्श

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में सोमवार को चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डा. जीएस तोमर ने सौ से अधिक लोगों को परामर्श दिया। तीन चौथाई लोग गठिया से पीड़ित मिले। अन्य रोगियों में श्वास, मधुमेह, उच्च रक्तचाप व हृदय रोग देखने को मिला। सभी रोगियों को औषधियों के साथ आहार-विहार की जानकारी देते हुए डा. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद की दृष्टि से वर्षा ऋतु में वात रोग बढ़ता है। (विज्ञप्ति)

जुनून है सच लिखने का
मंत्र भारत
www.mantrabharat.news Mumbai Edition 09 Sep 2025 - Page 8

विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे पंचपरिवर्तन - डॉ जी एस तोमर

आयुर्वेद भारत की चारदीवारी से निकलकर आज वैश्विक क्षितिज पर प्रतिष्ठापित- डॉ जी एस तोमर

वर्षा ऋतु में वात के प्रकोप से अधिकांश रोगी गठिया से पीड़ित- डॉ जी एस तोमर

विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे पंच परिवर्तन

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फार्मेसी संकाय में सोमवार को संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डा. जीएस तोमर थे। उन्होंने विकसित भारत के लिए समाज में पंच परिवर्तनों की आवश्यकता पर जोर दिया। कहा कि सबसे पहले हमें समाज में जाति, वर्ण, क्षेत्र एवं भाषा की विविधता को परे रखकर सामाजिक समरसता लानी होगी। इसके साथ ही संतति में संस्कारों के लिए कुटुंब प्रबोधन करना होगा। उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझाना होगा। आयोजन में आरोग्य भारती का सहयोग रहा। डा. तोमर ने कहा कि हमारे धर्म शास्त्रों में दस पुत्रों के समान एक वृक्ष बताया गया है। अतः हमें अपनी संतान की तरह वृक्षों का संरक्षण करना सीखना होगा। जहां तक संभव हो भोजन, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं में स्वदेशी का ही चयन करना चाहिए।

अध्यक्षीय संबोधन में आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डा. डीपी सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता विकसित भारत की आधारशिला है। सह सचिव डा. जयंत नाथ ने आरोग्य भारती के विभिन्न प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी। अभ्यागतों का स्वागत फार्मेसी कालेज के प्राचार्य डा. शशिकांत सिंह ने किया। संचालन पीयूष आनन्द व धन्यवाद ज्ञापन जूही तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रवीण सिंह, श्रेया मद्धेशिया, पूजा जायसवाल, दिलीप मिश्रा, प्रतीक्षा राय उपस्थित रहीं।-(विज्ञप्ति)।

समाज में पंच परिवर्तनों की आवश्यकता : डॉ. तोमर

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) के फार्मेसी संकाय में आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के सहयोग से सोमवार को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर उपस्थित रहे। उन्होंने विकसित भारत के लिए समाज में पंच परिवर्तनों की आवश्यकता पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

डॉ. तोमर ने कहा कि सबसे पहले हमें समाज में जाति, वर्ण, क्षेत्र एवं भाषा की विविधता को परे रखकर सामाजिक समरसता लानी होगी। इसके साथ-साथ संतति में संस्कारों के लिए कुटुंब प्रबोधन करना होगा। उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझाना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ. डीपी सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता विकसित भारत की आधारशिला है। गोरक्षप्रांत के सह सचिव डॉ जयंत नाथ ने आरोग्य भारती के विभिन्न प्रकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में अभ्यागतों का स्वागत फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन पीयूष आनन्द एवं धन्यवाद ज्ञापन जूही तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रवीण सिंह, श्रेया मद्धेशिया, पूजा जायसवाल, दिलीप मिश्रा, प्रतीक्षा राय आदि प्राध्यापकों के साथ साथ बीफार्मा के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में देखे गए सौ से अधिक मरीज : महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय बालापार में सोमवार को विशेष ओपीडी में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ.जीएस तोमर ने सौ से अधिक रोगियों का परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। डॉ. तोमर ने बताया कि आयुर्वेद की दृष्टि से वर्षा ऋतु में वात बढ़ता है। अतः तीन चौथाई रोग गठिया से पीड़ित मिले। अन्य रोगियों में श्वास, मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोग देखने को मिला। उन्होंने बताया कि सभी रोगियों को औषधियों के साथ आहार-विहार की जानकारी भी प्रदान की गई।

एमजीयूजी के फार्मेसी संकाय में संगोष्ठी आयोजित

विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे पंच परिवर्तन : डॉ. जीएस तोमर

एमजीयूजी के फार्मेसी संकाय में आरोग्य भारती के सहयोग से संगोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र चेतना
नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फार्मेसी संकाय में आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के सहयोग से सोमवार को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर उपस्थित रहे। उन्होंने विकसित भारत के लिए समाज में पंच परिवर्तनों की आवश्यकता पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

डॉ. तोमर ने कहा कि सबसे पहले हमें समाज में जाति, वर्ण, क्षेत्र एवं भाषा की विविधता को परे रखकर सामाजिक समरसता लानी होगी। इसके साथ-साथ संतति में संस्कारों के लिए कुटुंब प्रबोधन करना होगा। उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझाना होगा। हमारे धर्म शास्त्रों में दस पुत्रों के समान एक वृक्ष बताया गया है। अतः हमें अपनी संतान की तरह वृक्षों का संरक्षण करना सीखना होगा। एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य का सपना पूरा करने के लिए हमें मानव, पशु-पक्षी एवं पर्यावरण तीनों के स्वास्थ्य की चिंता करनी होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता ही किसी देश के विकास की आधारशिला है। अतः हमें जहां तक संभव हो भोजन, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं में स्वदेशी का ही चयन करना चाहिए। इसके अलावा अपने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए हमें नागरिक कर्तव्यों का ज़िम्मेदारी के साथ पालन करना चाहिए। इस प्रकार इन पंच परिवर्तनों के माध्यम से हम विकसित भारत का स्वप्न साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ. डीपी सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता विकसित भारत की आधारशिला है। गोरक्षप्रांत के सह सचिव डॉ जयंत नाथ ने आरोग्य भारती के विभिन्न प्रकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में अभ्यागतों का स्वागत फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन पीयूष आनन्द एवं धन्यवाद ज्ञापन जूही तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रवीण सिंह, श्रेया मद्धेशिया, पूजा जायसवाल, दिलीप मिश्रा, प्रतीक्षा राय आदि प्राध्यापकों के साथ साथ बीफार्मा के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे पंच परिवर्तन : डॉ. जीएस तोमर

एमजीयूजी के फार्मेसी संकाय में आरोग्य भारती के सहयोग से संगोष्ठी का हुआ आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 8 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फार्मेसी संकाय में आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के सहयोग से सोमवार को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर उपस्थित रहे। उन्होंने विकसित भारत के लिए समाज में पंच परिवर्तनों की आवश्यकता पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

डॉ. तोमर ने कहा कि सबसे पहले हमें समाज में जाति, वर्ण, क्षेत्र एवं भाषा की विविधता को परे रखकर सामाजिक समरसता लानी होगी। इसके साथ-साथ संतति में संस्कारों के लिए कुटुंब प्रबोधन करना होगा। उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझाना होगा। हमारे धर्म शास्त्रों में दस पुत्रों के समान एक वृक्ष बताया गया है। अतः हमें अपनी संतान की तरह वृक्षों का संरक्षण करना सीखना होगा। एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य का सपना पूरा करने के लिए हमें मानव, पशु-पक्षी एवं पर्यावरण तीनों के स्वास्थ्य की चिंता करनी होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता ही किसी देश के विकास की आधारशिला है। अतः हमें जहां तक संभव हो भोजन, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं में स्वदेशी का ही चयन करना चाहिए। इसके अलावा अपने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए हमें नागरिक कर्तव्यों का ज़िम्मेदारी के साथ पालन करना चाहिए। इस प्रकार इन पंच परिवर्तनों के माध्यम से हम विकसित भारत का स्वप्न साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ. डीपी सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता विकसित भारत की आधारशिला है। गोरक्षप्रांत के सह सचिव डॉ जयंत नाथ ने आरोग्य भारती के विभिन्न प्रकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में अभ्यागतों का स्वागत फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन पीयूष आनन्द एवं धन्यवाद ज्ञापन जूही तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रवीण सिंह, श्रेया मद्धेशिया, पूजा जायसवाल, दिलीप मिश्रा, प्रतीक्षा राय आदि प्राध्यापकों के साथ साथ बीफार्मा के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में देखे गए सौ से अधिक मरीज

गोरखपुर, 8 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय बालापार में सोमवार को विशेष ओपीडी में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने सौ से अधिक रोगियों का परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। डॉ. तोमर ने बताया कि आयुर्वेद की दृष्टि से वर्षा ऋतु में वात बढ़ता है। अतः तीन चौथाई रोग गठिया से पीड़ित मिले। अन्य रोगियों में श्वास, मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोग देखने को मिला। उन्होंने कहा सभी रोगियों को औषधियों के साथ साथ आहार-विहार की जानकारी भी प्रदान की गई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमबीबीएस की 50 सीटें बढ़ीं

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के मेडिकल कालेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से एमबीबीएस की 50 और सीटों की मान्यता मिली है। पिछले शैक्षिक सत्र में 100 सीटों की मान्यता मिली थी। अब एमबीबीएस की कुल 150 सीटें हो गई हैं।

श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष एमबीबीएस की 150 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसके लिए सभी संसाधन उपलब्ध हैं। यह बड़ी उपलब्धि विश्वविद्यालय स्थापना के मात्र चार साल में हासिल हुई है। नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी के तमाम

पिछले साल एनएमसी ने दी थी 100 सीटों की मान्यता, अब संख्या हो गई 150

रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ ही यहां 2021 से ही बीएएमएस का पाठ्यक्रम संचालित है। कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह समूचे पूर्वांचल के युवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि है। गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। विज्ञप्ति।

महायोगी गोरखनाथ विवि को अब एमबीबीएस की 150 सीटों की मान्यता

- श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में एक साल बाद ही बढ़ गई एमबीबीएस की 50 सीटें
- पिछले शैक्षिक सत्र में 100 सीटों पर हुआ था प्रवेश, शानदार तरीके से चल रही पढ़ाई

संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर में निजी ...त्र के पहले विश्वविद्यालय ...हायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के ...डिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ ...डिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड ...सर्च सेंटर) को नेशनल मेडिकल ...मीशन से अब एमबीबीएस ...ठ्यक्रम के लिए 150 सीटों ...ी मान्यता मिल गई है। इसके ...हले गत शैक्षिक सत्र में नेशनल ...डिकल कमीशन (एनएमसी) ने ...00 सीटों की मान्यता दी थी। ...ी गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज ...स्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की ...पील पर जांचोपरांत एनएमसी ... अब एमबीबीएस की 50 और ...ीटों के लिए मान्यता प्रदान ...र दी है।

यह जानकारी देते हुए श्री ...ोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज ...ॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के ...ाचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने ...ताया कि अब इस वर्ष बढ़ी 50 ...ीटों सहित 150 एमबीबीएस ...ीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए की गई अपील के परीक्षण में एनएमसी ने पाया कि 150 एमबीबीएस सीटों के लिए जरूरी हॉस्पिटल क्रियाशील है। साथ ही अन्य सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी भी मानक के अनुरूप है। इसे देखते हुए एनएमसी में मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड के प्रेसिडेंट डॉ. एमके रमेश ने 9 सितंबर को श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को सत्र 2025-26 के लिए एमबीबीएस की 150 सीटों पर मान्यता प्रदान करने के संबंध में परमिशन लेटर जारी किया है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को एमबीबीएस कोर्स संचालन को लेकर यह बड़ी उपलब्धि विश्वविद्यालय स्थापना के मात्र चार साल में हासिल हुई है। नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी के तमाम रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ ही यहां गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतर्गत 2021 से ही बीएएमएस का पाठ्यक्रम संचालित है। एमबीबीएस की मान्यता बढ़कर 150 सीटों पर पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह समूचे पूर्वांचल के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है।

कुलपति ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज का हॉस्पिटल आने वाले समय में अपग्रेड होकर 1800 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो जाएगा।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के अनुसार पहले वर्ष (शैक्षिक सत्र 2024-25) इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100 सीटों पर प्रवेश हुआ था। पहले बैच की पढ़ाई शानदार तरीके से चल रही है। अब मान्यता वृद्धि के चलते इस सत्र में कुल 150 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। एमबीबीएस सीटों की मान्यता बढ़ जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर-बस्ती -आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला अस्पताल भी सेवा दे रहा है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ,भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

महायोगी गोरखनाथ विवि को अब एमबीबीएस की 150 सीटों की मान्यता

- श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में एक साल बाद ही बढ़ गई एमबीबीएस की 50 सीटें
- पिछले शैक्षिक सत्र में 100 सीटों पर हुआ था प्रवेश, शानदार तरीके से चल रही पढ़ाई

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर में निजी क्षेत्र के पहले विश्वविद्यालय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को नेशनल मेडिकल कमीशन से अब एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए 150 सीटों की मान्यता मिल गई है। इसके पहले गत शैक्षिक सत्र में नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने 100 सीटों की मान्यता दी थी। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की अपील पर जांचोपरांत एनएमसी ने अब एमबीबीएस की 50 और सीटों के लिए मान्यता प्रदान कर दी है। यह जानकारी देते हुए श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अब इस वर्ष बढ़ी 50 सीटों सहित 150 एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए की गई अपील के परीक्षण में एनएमसी ने पाया कि 150 एमबीबीएस सीटों के लिए जरूरी हॉस्पिटल क्रियाशील है। साथ ही अन्य सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी भी मानक के अनुरूप है। इसे देखते हुए एनएमसी में मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड के प्रेसिडेंट डॉ. एमके रमेश ने 9 सितंबर को श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को

सत्र 2025-26 के लिए एमबीबीएस की 150 सीटों पर मान्यता प्रदान करने के संबंध में परमिशन लेटर जारी किया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को एमबीबीएस कोर्स संचालन को लेकर यह बड़ी उपलब्धि विश्वविद्यालय स्थापना के मात्र चार साल में हासिल हुई है। नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी के तमाम रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ ही यहां गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतर्गत 2021 से ही बीएएमएस का पाठ्यक्रम संचालित है। एमबीबीएस की मान्यता बढ़कर 150 सीटों पर पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह समूचे पूर्वांचल के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है। कुलपति ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज का हॉस्पिटल आने वाले समय में अपग्रेड होकर 1800 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो जाएगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश ?वविद्यालय में स्?थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश ?वर एवं प्रदेश के मुख?यमंत्री योगी आदित ?यनाथ का ड्रीम प्रोजेक ?ट भी है। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के अनुसार पहले वर्ष (शैक्षिक सत्र 2024-25) इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100 सीटों पर प्रवेश हुआ था। पहले बैच की पढ़ाई शानदार तरीके से चल रही है। अब मान्यता वृद्धि के चलते इस सत्र में कुल 150 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। एमबीबीएस सीटों की मान्यता बढ़ जाने से न ? सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापूर्ण चिकित ?सा शिक्षा उपलब ?ध होगी बल्कि गोरखपुर-बस ?ती- आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को अत ?याधुनिक सुपरस ?पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला अस ?पताल भी सेवा दे रहा है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ,भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

एमजीयूजी के फार्मा संकाय में फार्माकोविजिलेंस जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी आफ फार्मास्यूटिकल्स साइंस (फार्मा संकाय) द्वारा फार्माकोविजिलेंस जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दवाओं के उपयोग के दौरान होने वाली संभावित समस्याओं के प्रति सतर्कता बढ़ाना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में फार्माकोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश दसराजू रहे। इस अवसर पर उन्होंने फार्माकोविजिलेंस का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताया कि 'फार्माको' का अर्थ दवा और 'विजिलेंस' का अर्थ सतर्कता है। दवाओं से होने वाले दुष्प्रभावों पर निगरानी रखना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना

फार्माकोविजिलेंस का मुख्य उद्देश्य है। डॉ. राजेश दसराजू ने दवा के विकास की प्रक्रिया, क्लिनिकल ट्रायल्स, आवश्यक डेटा संग्रह, और दवा के अनुमोदन तक की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फार्मा कंपनियां दवा विकसित करके कैसे लाभ प्राप्त करती हैं, उनका उद्देश्य क्या होता है, और दवाओं के शोध व परीक्षण के माध्यम से रोगियों को सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार कैसे प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में फार्मा संकाय के डीन डॉ. एमएन पुरोहित, असिस्टेंट प्रोफेसरशिवेंद्र मणि त्रिपाठी सहित कई शिक्षक और फार्मा संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एमजीयूजी के फार्मा संकाय में फार्माकोविजिलेंस जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 13 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी आफ फार्मास्यूटिकल्स साइंस (फार्मा संकाय) द्वारा फार्माकोविजिलेंस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दवाओं के उपयोग के दौरान होने वाली संभावित समस्याओं के प्रति सतर्कता बढ़ाना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में फार्माकोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश दसराजू रहे। इस अवसर पर उन्होंने फार्माकोविजिलेंस का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताया कि 'फार्माको' का अर्थ दवा और 'विजिलेंस' का अर्थ सतर्कता है। दवाओं से होने वाले दुष्प्रभावों पर निगरानी रखना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना फार्माकोविजिलेंस का मुख्य उद्देश्य है।

डॉ. राजेश दसराजू ने दवा के विकास की प्रक्रिया, क्लिनिकल ट्रायल्स, आवश्यक डेटा संग्रह, और दवा के अनुमोदन तक की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फार्मा कंपनियां दवा विकसित करके कैसे लाभ प्राप्त करती हैं, उनका उद्देश्य क्या होता है, और दवाओं के शोध व परीक्षण के माध्यम से रोगियों को सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार कैसे प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में फार्मा संकाय के डीन डॉ. एमएन पुरोहित, असिस्टेंट प्रोफेसरशिवेंद्र मणि त्रिपाठी सहित कई शिक्षक और फार्मा संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद करायेगा 'विकसित यूपी विजन-2047' पर कार्यशाला

21 सितंबर को एमजीयूजी के ऑडिटोरियम में होगा आयोजन, सीएम योगी करेंगे उद्घाटन

मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

»आयुर्वेद केवल उपचार नहीं, जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति : आचार्य साध्वी

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) द्वारा आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह के दूसरे दिन बुधवार को विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आमजन को आयुर्वेद के महत्व और उसकी उपयोगिता से अवगत कराना रहा। गोरखनाथ मंदिर परिसर में इस अवसर पर एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों को आयुर्वेदाचार्यों एवं विद्यार्थियों ने रोग निवारण, स्वास्थ्य संवर्धन और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों के बारे में जानकारी दी।

नागरिकों को जड़ी-बूटियों के प्रयोग, आहार-विहार संबंधी नियमों और दैनिक दिनचर्या की महत्ता पर विस्तार से बताया गया। इसी क्रम में चौकी माफी ग्राम में हर घर, हर दिन आयुर्वेद कार्यक्रम तथा कृषि विज्ञान केंद्र में विशेष आयुर्वेदिक जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ। विशेषज्ञों ने सामान्य रोगों के घरेलू उपचार, औषधीय पौधों की उपयोगिता और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के आयुर्वेदिक उपायों पर सरल भाषा में जानकारी दी। आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण प्रणाली है। यदि हम दैनिक जीवन में आयुर्वेदिक सिद्धांतों का पालन करें तो रोगों से बचाव के साथ संतुलित और निरोग जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण ने प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

21 सितंबर को एमजीयूजी के ऑडिटोरियम में होगा आयोजन, सीएम योगी करेंगे उद्घाटन

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद कराएगा 'विकसित यूपी विजन-2047' पर कार्यशाला

- कार्यशाला सत्र में आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू होंगे विषय विशेषज्ञ

विकसित यूपी विजन-2047 पर 21 सितंबर को कार्यशाला

एमजीयूजी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के विजन को साकार करने की दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने भी विशेष पहल की है। शिक्षा परिषद की तरफ से विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 पर एक कार्यशाला का आयोजन 21 सितंबर को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में करने का फैसला किया गया है। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू मौजूद रहेंगे।

एमजीयूजी के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान में विवि के ऑडिटोरियम में होने वाली कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह करेंगे। मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन में उद्घाटन सत्र के बाद डेढ़ घंटे के विशेष सत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष, शिक्षक, सूचीबद्ध प्रतिनिधि विद्यार्थियों के साथ ही महानगर के प्रबुद्धजन, शिक्षक, चिकित्सक, अधिवक्ता, आर्किटेक्ट, इंजीनियर, उद्योगपति आदि लोग सम्मिलित होंगे।

12 सेक्टर पर होगा फोकस

उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसमें तीन मिशन, तीन थीम और 12 सेक्टर की रूपरेखा तय की गई है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह का कहना है कि विकसित यूपी-2047 के विजन को साकार करने के लिए हर व्यक्ति, हर संस्था को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। सीएम योगी युवा परिवर्तन के वाहक हैं।

एमजीयूजी का आयुर्वेद कॉलेज आइकेएस शोध केंद्र के लिए चयनित

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने सौंपी है यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 18 सितंबर। महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (पारम्परिक चिकित्सा केंद्र) का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आइकेएस (इंडियन नॉलेज सिस्टम या भारतीय ज्ञान परम्परा) शोध केंद्र के लिए हुआ है। इस परियोजना का नेतृत्व आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, अधिष्ठाता आईक्यूएसी डॉ. रघुराम अचार, सहायक आचार्य डॉ. प्रिया एस. नायर और डॉ. साध्वी नंदन पाण्डेय करेंगे।

यह जानकारी देते हुए डॉ. गिरिधर वेदांतम ने बताया कि आइकेएस शोध केंद्र वैदिक, दार्शनिक एवं संज्ञानात्मक विज्ञान को भैषज्य एवं आरोग्य विज्ञान के साथ समन्वित कर अग्रणी शोध कार्य करेगा। इसके माध्यम से भारतीय पारम्परिक चिकित्सा की संरक्षा, संवर्धन एवं वैश्विक प्रतिष्ठा सुनिश्चित की जाएगी। यह केंद्र पारम्परिक चिकित्सा के जनप्रसार, नये शोध परियोजनाओं के संचालन, विद्यार्थियों को प्रशिक्षण तथा गोरखपुर के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने की दिशा में कार्य करेगा। साथ ही यह पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों का डिजिटल भंडार तैयार करेगा, जिससे इन अमूल्य परम्पराओं का संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों तक पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

इस उपलब्धि पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संपूर्ण टीम को बधाई दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र पारम्परिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर हमें प्राप्त एक विशेष उपहार है, जो युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पावन स्मृति को समर्पित है।

एमजीयूजी का आयुर्वेद कॉलेज आइकेएस शोध केंद्र को चयनित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरक्षनाथ विवि गोरखपुर (एमजीयूजी) अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के सेंटर फर ट्रेडिशनल मेडिसिन (पारम्परिक चिकित्सा केंद्र) का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आइकेएस (इंडियन नॉलेज सिस्टम या भारतीय ज्ञान परम्परा) शोध केंद्र के लिए हुआ है। इस परियोजना का नेतृत्व आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, अधिष्ठाता आईक्यूएसी डॉ. रघुराम अचार, सहायक आचार्य डॉ. प्रिया एस. नायर और डॉ. साध्वी नंदन पाण्डेय करेंगे।

■ भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने सौंपी है यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

यह जानकारी देते हुए डॉ. वेदांतम ने बताया कि आइकेएस शोध केंद्र वैदिक, दार्शनिक एवं संज्ञानात्मक विज्ञान को भैषज्य एवं आरोग्य विज्ञान के साथ समन्वित कर अग्रणी शोध कार्य करेगा। इसके माध्यम से भारतीय पारम्परिक चिकित्सा की संरक्षा, संवर्धन एवं वैश्विक प्रतिष्ठा सुनिश्चित की जाएगी। यह केंद्र पारम्परिक चिकित्सा के जनप्रसार, नये शोध परियोजनाओं के संचालन, विद्यार्थियों को प्रशिक्षण तथा गोरखपुर के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने की दिशा में कार्य करेगा।

साथ ही यह पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों का डिजिटल भंडार तैयार करेगा, जिससे इन अमूल्य परम्पराओं का संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों तक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। इस उपलब्धि पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संपूर्ण टीम को बधाई दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र पारम्परिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महायोगी गोरखनाथ विवि के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर हमें प्राप्त एक विशेष उपहार है, जो ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पावन स्मृति को समर्पित है।

आयुर्वेद सप्ताह के दूसरे दिन जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज ने आयुर्वेद के महत्व की दी जानकारी

संवाददाता

गोरखपुर, 18 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) द्वारा मनाए जा रहे आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह के दूसरे दिन जनजागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में गोरखनाथ मंदिर परिसर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया एवं आसपास के क्षेत्रों में लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय के आयुर्वेदाचार्यों और विद्यार्थियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया तथा रोग-निवारण और स्वास्थ्य संवर्धन हेतु जड़ी-बूटियों के प्रयोग, आहार-विहार के नियमों एवं दैनिक दिनचर्या की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। चौकी माफी ग्राम में हर घर, हर दिन आयुर्वेद के उद्देश्य से तथा कृषि विज्ञान केंद्र में भी विशेष आयुर्वेद जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने सामान्य रोगों के लिए घरेलू उपचार, औषधीय पौधों के महत्व और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों को सरल भाषा में बताया। ग्रामीण अंचल के नागरिकों ने इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयुर्वेद को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण प्रणाली है। यदि हम अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेदिक सिद्धांतों, आहार-विहार और प्राकृतिक औषधियों का समुचित प्रयोग करें, तो न केवल रोगों से मुक्ति पा सकते हैं बल्कि एक संतुलित, निरोग और सुखमय जीवन व्यतीत कर सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक आयुर्वेद का संदेश पहुँचे।

21 को सीएम योगी करेंगे कार्यशाला का उद्घाटन

'विकसित यूपी विजन-2047'

- कार्यशाला सत्र में आर्थिक सलाहकार डा. केवी राजू होंगे विषय विशेषज्ञ
- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में होगा भव्य आयोजन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के विजन को साकार करने के लिए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने विशेष पहल की है। शिक्षा परिषद 21 सितंबर को 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश-2047' पर एक कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। यह आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में होगा। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। विशेष सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डा. केवी राजू मौजूद रहेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति डा. सुरिंदर सिंह करेंगे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में उद्घाटन सत्र के बाद डेढ़ घंटे के विशेष सत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष, शिक्षक, सूचीबद्ध प्रतिनिधि विद्यार्थियों के साथ ही महानगर के प्रबुद्धजन, शिक्षक, चिकित्सक, अधिवक्ता, आर्किटेक्ट, इंजीनियर, उद्योगपति आदि सम्मिलित होंगे। यह कार्यशाला प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लक्ष्यों को हासिल करने का व्यावहारिक वैचारिक मंथन है। कुलपति डा. सुरिंदर का कहना है कि विकसित यूपी-2047 के विजन को साकार करने के लिए हर व्यक्ति, हर संस्था को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन इसी जिम्मेदारी का संवेदनशील अहसास है। मुख्यमंत्री के 'विकसित उत्तर प्रदेश' का लक्ष्य प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना ही नहीं है बल्कि 25 करोड़ प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को साकार करना भी है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इसमें तीन मिशन, तीन थीम और 12 सेक्टर की रूपरेखा तय की गई है। इसका लक्ष्य राज्य की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही इसे आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

जिन 12 सेक्टर को फोकस किया गया है, उनमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आइटी एवं इमर्जिंग टेक्नोलाजी, पर्यटन एवं संस्कृति, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र और सुरक्षा एवं सुशासन शामिल हैं।

आयुर्वेद के प्रति लोगों को किया जागरूक

संवाददाता,गोरखपुर

अमृत विचार : महायोगी गोरखनाथ विवि एमजीयूजी के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज द्वारा मनाए जा रहे आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह के दूसरे दिन जनजागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गोरखनाथ मंदिर परिसर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया एवं आसपास के क्षेत्रों में लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक किया गया। विवि के आयुर्वेदाचार्यों और विद्यार्थियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया तथा रोग-निवारण और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए जड़ी-बूटियों के प्रयोग, आहार-विहार के नियमों एवं दैनिक दिनचर्या की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। चौकी माफी ग्राम में हर घर, हर दिन आयुर्वेद के उद्देश्य से तथा कृषि विज्ञान केंद्र में भी विशेष आयुर्वेद जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने सामान्य रोगों के लिए घरेलू उपचार, औषधीय पौधों के महत्व और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों को सरल भाषा में बताया। ग्रामीण अंचल के नागरिकों ने इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयुर्वेद को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

समाचार दर्पण

नर्सिंग छात्राओं ने क्षयरोग से बचाव के प्रति लोगों को किया जागरूक

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 20 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग की एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष और बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने क्षयरोग मुक्त भारत विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान के तहत ओंकार नगर में हुए इस कार्यक्रम में मूक अभिनय के माध्यम से महिलाओं को क्षयरोग के इलाज और रोग से बचाव के प्रति जागरुक किया गया। छात्राओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया है जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 10 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जागरुकता का कार्यक्रम नर्सिंग की शिक्षिकाओं रजिथा आरएम, प्राची यादव एवं गरिमा चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

नर्सिंग छात्राओं ने क्षयरोग से बचाव के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग की एमएससी नर्सिंग प्रथम

वर्ष और बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने क्षयरोग मुक्त भारत विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान के तहत ओंकार नगर में हुए इस कार्यक्रम में मूक अभिनय के माध्यम से महिलाओं को क्षयरोग के इलाज और रोग से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया है जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 10 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जागरुकता का कार्यक्रम नर्सिंग की शिक्षिकाओं रजिथा आरएम, प्राची यादव एवं गरिमा चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

नर्सिंग छात्राओं ने क्षयरोग से बचाव को किया जागरूक

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग की एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष और बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने क्षयरोग मुक्त भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत ओंकार नगर में हुए इस कार्यक्रम में मूक अभिनय के माध्यम से महिलाओं को क्षयरोग के इलाज और रोग से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में नर्सिंग की शिक्षिकाएं रजिथा आरएम, प्राची यादव एवं गरिमा चौधरी मौजूद रहीं।

रैली निकालकर आयुर्वेद के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर मे आयुर्वेद सप्ताह समारोह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत शनिवार को गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर से ग्राम सोनबरसा तक रैली निकाली गई। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि जन जागरूकता ही इसके प्रसार का सबसे प्रभावी साधन है। मौके पर कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. शांति भूषण, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. संध्या व अन्य उपस्थित रहे।

A rally was organized to raise awareness about Ayurveda

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: As part of the Ayurveda Week Celebration 2025, an awareness rally was taken out on Saturday by the Guru Shri Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda College) of Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur (MGUG). The rally began at the university campus and ended at Sonbarsa village.

Rally was organized with the support of the Ashtavakra unit of the NSS, the Ayurveda College Principal, Acharyas, doctors, BAMS students, and NSS volunteers carried posters and banners promoting the importance of Ayurveda, immunity, a healthy lifestyle, and the adoption of natural healing methods. Participants in the rally encouraged local residents to embrace Ayurveda. A selfie point was also arranged as a special attraction. Speaking on the occasion, Dr. Giridhar Vedantam, Principal of the Ayurveda College, stated that Ayurveda is India's oldest medical system, which not only treats diseases but also provides guidance for living a healthy and balanced life.

National Service Scheme Program Officer Acharya Sadhvi Nandan Pandey said that such rallies inspire society to adopt a more nature-friendly lifestyle. Present on this occasion were Program Coordinator Dr. Shanti Bhushan, Dr. Vinamra Sharma, Dr. Sarvabhaum, Dr. Sandhya, along with BAMS students and volunteers.

आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह अंतर्गत आहार प्रदर्शनी का आयोजन

संतुलित एवं सात्त्विक भोजन संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 21 सितंबर। आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर में आयुर्वेद आहार प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में आयुर्वेद सिद्धांतों पर आधारित पारंपरिक अनाज, औषधीय पेय, स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन और औषधीय पौधों से बने आहार को प्रदर्शित किया गया। आगंतुकों को इन आहारों के पौष्टिक तत्वों, औषधीय महत्व और रोग-निवारक गुणों की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस प्रदर्शनी में राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई के बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उनके द्वारा सजाए गए स्टॉल और प्रस्तुत आहार संतुलित एवं सात्त्विक भोजन संस्कृति को बढ़ावा देने का सशक्त संदेश देते रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. विनम्र शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। स्वस्थ जीवन का आधार संतुलित आहार है और इस प्रदर्शनी का उद्देश्य युवाओं एवं समाज को आयुर्वेद आहार की महत्ता से जोड़ना है।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शांति भूषण, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. रिनझिन, डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. अभिजीत सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक, बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नर्सिंग छात्राओं ने क्षयरोग से बचाव के प्रति लोगों को किया जागरूक

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 20 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग की एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष और बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने क्षयरोग मुक्त भारत विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान के तहत ओंकार नगर में हुए इस कार्यक्रम में मूक अभिनय के माध्यम से महिलाओं को क्षयरोग के इलाज और रोग से बचाव के प्रति जागरुक किया गया। छात्राओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया है जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 10 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जागरुकता का कार्यक्रम नर्सिंग की शिक्षिकाओं रजिथा आरएम, प्राची यादव एवं गरिमा चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

क्षयरोग से बचाव के प्रति नर्सिंग छात्राओं ने किया जागरूक

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग की एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष और बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने क्षयरोग मुक्त भारत विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान के तहत ओंकार नगर में हुए इस कार्यक्रम में मूक अभिनय के माध्यम से महिलाओं को क्षयरोग के इलाज और रोग से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया है जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 10 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जागरुकता का कार्यक्रम नर्सिंग की शिक्षिकाओं रजिथा आरएम, प्राची यादव एवं गरिमा चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

विकसित उत्तर प्रदेश के लिए बना रहे विजन डाक्यूमेंट : मुख्यमंत्री

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय सभागार में विकसित भारत- विकसित उत्तर प्रदेश विषयक कार्यशाला में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्य बिंदु:

- भारत के वैभव को देखकर आये थे विदेशी आक्रांता
- उत्तर प्रदेश, देश का हृदय स्थल
- विकसित अर्थव्यवस्था में कृषि और उद्योग में साम्यता
- कृषि क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की संभावनाएं

विकसित भारत के लिए यूपी ने उठाई आवाज, पंच प्रण व संकल्पों को जीवन में उतारें : मुख्यमंत्री

नौ साल में तीन गुनी हुई प्रदेश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय : मुख्यमंत्री

विकास लक्ष्यों के साथ यूपी का रोडमैप, विजन डॉक्यूमेंट और लक्ष्यीकरण पर जोर : मुख्यमंत्री

आज प्रदेश के हर सेक्टर में दिख रहा विकास : मुख्यमंत्री

दुनिया का सातवां भूभाग भारत के पास है और भारत में सर्वाधिक उर्वरा भूमि है

पैदल यात्रा कर व्यापारियों से जीएसटी पर संवाद करेंगे सीएम

गोरखपुर : जीएसटी रिफार्म को लेकर मुख्यमंत्री योगी सोमवार की सुबह 11 बजे झूलेलाल मंदिर से लेकर गोरखनाथ मंदिर तक पैदल यात्रा कर सकते हैं। वह इस दौरान स्थानीय व्यापारियों से जीएसटी पर संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री यात्रा के दौरान सड़क के दोनों तरफ के प्रतिष्ठानों के व्यापारियों से मिलेंगे और उन्हें जीएसटी में हुए बदलाव और उसके प्रभाव पर चर्चा करने के साथ ही उनकी भी प्रतिक्रिया जानेंगे। इसे लेकर प्रशासन और पुलिस ने तैयारी कर ली है।

आठ साल में यूपी में हुआ अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव

गोरखपुर : प्रदेश सरकार के आर्थिक सलाहकार डा. केवी राजू ने कहा है कि 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आठ साल में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव हुए हैं। बदलाव और विकास की इस रफ्तार में जन सहभागिता को जोड़ते हुए उत्तर प्रदेश 2047 तक देश की नंबर एक की अर्थव्यवस्था बनने और विकसित भारत का विकसित प्रदेश बनने में सक्षम व समर्थ है। डा. राजू रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' पर आयोजित कार्यशाला के अकादमिक सह व्यावहारिक सत्र को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। डा. राजू ने प्रदेश के विकास के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की पहुंच आम जन तक सुनिश्चित करने में सरकार के प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने अटल आवासीय विद्यालय योजना का का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में नए आवासीय स्कूल खोलकर निर्माण श्रमिकों के बच्चों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए जल जीवन मिशन चलाया है। इसके साथ ही गांव में जिन लोगों के पास पक्का मकान नहीं था, उनके लिए पीएम आवास योजना और सीएम आवास योजना से पक्के मकान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

विकसित यूपी बनाने में हर व्यक्ति बने योजक

- विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047 पर आयोजित कार्यशाला में बोले योगी
- नौ साल में तीन गुनी हुई प्रदेश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय

-शेष पेज 2

2047 तक यूपी को बनाएंगे छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

यूपी को विकसित बनाने में हर व्यक्ति निभा सकता है योजक की भूमिका : मुख्यमंत्री

बंगलुरू से हैदराबाद सामान भेजना

शहर में मुख्यमंत्री
www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
गोरखपुर, सोमवार, 22 सितंबर 2025 04

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' पर आयोजित कार्यशाला में बोले सीएम

विदेश छोड़ भारत में करें पर्यटन : योगी

आयोजन

यूपी में हर तरफ की कनेक्टिविटी सुदृढ़ हुई

पूरे देश में छा गया है ओडीओपी

कार्यशाला में ये उपस्थित रहे

आठ साल में यूपी में हुआ सकारात्मक बदलाव

सर्वश्रेष्ठ सुझावों को किया जाएगा पुरस्कृत:मुख्यमंत्री

संबोधन

सीएम ने गोरखपुर की विकास यात्रा साझा की

हिन्दुस्तान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में बोले सीएम

यूपी में नौ साल में तीन गुनी हुई प्रति व्यक्ति आय:योगी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2047 तक विकसित भारत बनाने की संकल्पना के अनुरूप प्रदेश सरकार काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में नौ साल में प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी में तिगुनी वृद्धि हुई है। हर सेक्टर में विकास देखने को मिल रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति सरकार द्वारा जारी क्यूआर कोड को मोबाइल में स्कैन कर अपने सुझाव अवश्य दें। मुख्यमंत्री रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने भविष्य के लिए सबके सामने एक रोडमैप रखा। उन्होंने कहा कि सरकार 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047' पर काम कर रही है। सरकार द्वारा निर्धारित 12 सेक्टर्स में से किसी भी क्षेत्र में अपने सुझाव देकर राज्य का हर व्यक्ति यूपी को विकसित बनाने में भूमिका निभा सकता है। योगी ने कहा कि 1947 में देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 14 प्रतिशत था। इसके बाद इसमें लगातार गिरावट आती गई। वर्ष 2017 तक यूपी की जीडीपी 12 लाख 36 हजार करोड़ रुपये थी। इस वर्ष के अंत तक सरकार इसे 36 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचाने जा रही है। यानी नौ सालों में तीन गुने की वृद्धि। इसी तरह राज्य में प्रति व्यक्ति आय भी नौ सालों में 45 हजार रुपये से बढ़कर एक लाख 20 हजार रुपये पर पहुंच रही है।

> शहर में मुख्यमंत्री P04,05

विकसितयूपीविजन2047परकामकररहीसरकार

कार्यशाला को संबोधित करते सीएम।

स्वार्थकीराजनीतिसेऊपर उठविकासकोबनाएंएजेंडा

गोरखपुर। मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध वर्ग का आह्वान करते हुए कहा कि स्वार्थी और विभाजनकारी राजनीति से उठकर विकास के एजेंडे को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। > ब्योरा P05

छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 2029-30 तक अपनी अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य बनाया है। उसके बाद हमारा लक्ष्य 29 से 35 तक 3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य होगा। वर्ष 2046-47 तक छह ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य होगा।

जीएसटी सुधार से हर व्यक्ति की उन्नति होगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देशवासी और प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है। > ब्योरा P14

36 लाख करोड़ होगी यूपी की जीडीपी इस साल के अंत तक

विकसित भारत के लिए यूपी ने उठाई आवाज

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान के तीन साल बाद विकसित भारत के लिए आवाज उठाने की शुरुआत यूपी ने की। अगस्त में विकसित यूपी के लिए विजन बनाने को विधानसभा और विधान परिषद में लगातार 24 घंटे चर्चा हुई। विकसित भारत के लिए हमें उत्तर प्रदेश को विकसित करना होगा। यह देश का हृदयस्थल है। देश की सर्वाधिक आबादी यहां निवास करती है।

प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं प्रदेशवासी : योगी

'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' पर कार्यशाला

योगी के नेतृत्व में रोल मॉडल बनकर उभरा यूपी : कुलपति

विकसित भारत के लिए यूपी ने उठाई आवाज : योगी

विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047 पर आयोजित कार्यशाला में बोले सीएम योगी

समाचार दर्पण

चिकित्सा विज्ञान का सबसे प्राचीन और संपूर्ण रूप है आयुर्वेद : वैद्य आकाश चंद्र त्रिपाठी

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

चिकित्सा विज्ञान का प्राचीन व संपूर्ण रूप आयुर्वेद : आकाश

■ एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

■ महिलाओं के स्वास्थ्य को श्रीअन्न अत्यंत उपयोगी : यामिनी त्रिपाठी

संबोधित करती डा. यामिनी त्रिपाठी।

चिकित्सा विज्ञान का सबसे प्राचीन और संपूर्ण रूप है आयुर्वेद : वैद्य आकाश चंद्र त्रिपाठी'

'एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन'

'एमजीयूजी में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन'

गोरखपुर ।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के तत्वावधान में स्वस्थ नारीदृसशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से शुक्रवार को रक्तदान शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। इस अवसर पर 56 लोगों ने रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर का शुभारंभ एमजीयूजी के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. हरिओम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा और गुरु गोरखनाथ ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। रक्तदान से पूर्व2 सभी प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर में कुल 152 सदस्यों ने पंजीकरण कराया तथा उनमें से 56 सदस्यों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले प्रमुख लोगों में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. दीपू मनोहर, अभिनव सिंह राठौर, कविता साहनी रुद्र प्रताप, प्रिंस, सिद्धार्थ, जया, वंदना, अंबालिका प्रजापति, रजनी, अनुष्का, स्वाति, वैभव, प्रियांशी, सत्यम, अभिनव सिंह, राम सागर यादव, प्रियांशी गुप्ता, मंदीप आदि शामिल रहे।

इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी ने बताया कि रक्तदान से न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी यह लाभकारी होता है। रक्तदान महादान है और यह प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति का सामाजिक दायित्व है। शिविर के अंत मे सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

आयोजन में प्रिया सिंह, लैब टेक्नीशियन चंद्रशेखर यादव, हर्ष गुप्ता, खुशी सिंह, नर्सिंग कॉलेज, पैरामेडिकल एवं बीएएमएस के विद्यार्थी तथा सभी संकाय सदस्य सम्मिलित हुए।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सोमवार को आयुर्वेद सप्ताह के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया।

चिकित्सा विज्ञान का सबसे प्राचीन रूप है आयुर्वेद : आकाश त्रिपाठी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत सोमवार को आयुर्वेद के प्रति जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वैद्य आकाश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि आयुर्वेद, चिकित्सा विज्ञान का सबसे प्राचीन और संपूर्ण रूप है ।इसे केवल घरेलू नुस्खों तक सीमित मानना भ्रांति है।

डॉ. यामिनी त्रिपाठी ने महिलाओं के स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए श्रीअन्न अत्यंत उपयोगी है।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. यास्मीन एस, डॉ. श्रीनाथ आर के मार्गदर्शन में एक लघु औषधि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें 70 से अधिक औषधीय पौधों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ. सुमित, डॉ. शांति भूषण, डॉ. मिनी, साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ आदि रह

'एमजीयूजी में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान का आयोजन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डा. शालिनी मान ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपेक्षा की स्थिति में इसके दुष्परिणाम लंबे समय तक समाज को प्रभावित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड

हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय अडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल के संचालन में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. संदीप श्रीवास्तव, सुमन यादव एवं डा. रवि कुमार शामिल शामिल रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में अष्टावक्र इकाई की खुशी उपाध्याय को प्रथम स्थान, शिवाजी इकाई की मुामाला को द्वितीय स्थान तथा अन्विषा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

बी.एस.सी. नर्सिंग की छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम

महिलाओं और परिवारों को चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से दी गई जानकारी

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। मंगलवार को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग के बी.एस.सी. नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा "स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार अभियान" के अंतर्गत "महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षु नर्सिंग छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं (मिस शक्ति और मिस निधि पासवान) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम गोरखपुर जनपद के ग्राम सोनबरसा में ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों के लिए आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समाज में महिलाओं के अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और समान अवसरों के प्रति जागरूकता फैलाना था। छात्राओं ने महिलाओं और परिवारों को चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से यह जानकारी दी कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान करना, ताकि वे अपने परिवार और समाज के विकास में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। कार्यक्रम में छात्राओं ने महिला शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि महिला शिक्षा न केवल परिवार के बच्चों की परवरिश में मदद करती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक होती है। इसके अलावा, कन्या भ्रूण हत्या और दहेज प्रथा के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। ग्रामीण महिलाओं को समझाया गया कि बेटी का जन्म समाज और परिवार के लिए समान महत्व रखता है और दहेज प्रथा सामाजिक कुरीति है, जिसे रोकना आवश्यक है। इस कार्यक्रम ने न केवल ग्रामीण लोगों में जागरूकता बढ़ाई, बल्कि छात्राओं के लिए भी यह अनुभव प्रदान किया कि समाज सेवा, स्वास्थ्य शिक्षा और महिला सशक्तिकरण में उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का नैतिक संदेश ग्रामीण लोगों के लिए यह था कि महिलाओं का सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा समाज की मजबूती के लिए अनिवार्य है। वहीं, छात्राओं के लिए यह अनुभव उनके व्यावसायिक कौशल, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी को सशक्त बनाने वाला था। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने उत्साह और सराहना व्यक्त की और इस प्रकार यह पहल ग्रामीण समाज और छात्राओं दोनों के लिए लाभकारी साबित हुई।

समाचार दर्पण

सेवा पखवाड़ा के तहत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ादृ2025 के अंतर्गत "विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत" विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल के संचालन में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. संदीप श्रीवास्तव, सुमन यादव एवं डा. रवि कुमार शामिल शामिल रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में अष्टावक्र इकाई की खुशी उपाध्याय को प्रथम स्थान, शिवाजी इकाई की मधुमाला को द्वितीय स्थान तथा अन्विषा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

सेवा पखवाड़ा के तहत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत "विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत" विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल के संचालन में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. संदीप श्रीवास्तव, सुमन यादव एवं डा. रवि कुमार शामिल शामिल रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में अष्टावक्र इकाई की खुशी उपाध्याय को प्रथम स्थान, शिवाजी इकाई की मधुमाला को द्वितीय स्थान तथा अन्विषा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

एमजीयूजी में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) में रासेयो की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डा. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विवि स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

एमजीयूजी में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बायोमेडिकल

अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डा. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपेक्षा की स्थिति में इसके दुष्परिणाम लंबे समय तक समाज को प्रभावित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

रासेयो ने एमजीयूजी में चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिन, एक घंटा, एक साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक इकाई को विशिष्ट क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई। अष्टावक्र एवं भारद्वाज इकाई ने आयुष वाटिका एवं उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। आत्रेय इकाई ने आयुर्वेद कालेज भवन के आस-पास श्रमदान किया। आर्यभट्ट एवं पारिजात इकाई ने कृषि संकाय के बगीचे की सफाई की, वहीं माता शबरी इकाई ने मंदिर परिसर एवं बाग की सफाई की जिम्मेदारी संभाली। माता अनुसुइया एवं गार्गी इकाई ने नर्सिंग कालेज, माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम एवं विश्वविद्यालय मुख्य द्वार के आस-पास श्रमदान किया। इसी प्रकार शिवाजी एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई ने पुरुष छात्रावास एवं अडिटोरियम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा मैत्रेयी इकाई ने अतिथि गृह एवं प्रशासनिक भवन के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का दायित्व निभाया।

एमजीयूजी में आयोजित हुआ वृहद स्वच्छता अभियान

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक इकाई को विशिष्ट क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई। अष्टावक्र एवं भारद्वाज इकाई ने आयुष वाटिका एवं उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। आत्रेय इकाई ने आयुर्वेद कॉलेज भवन के आस-पास श्रमदान किया। आर्यभट्ट एवं पारिजात इकाई ने कृषि संकाय के बगीचे की सफाई की, वहीं माता शबरी इकाई ने मंदिर परिसर एवं बाग की सफाई की जिम्मेदारी संभाली। माता अनुसुइया एवं गार्गी इकाई ने नर्सिंग कॉलेज, माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम एवं विश्वविद्यालय मुख्य द्वार के आस-पास श्रमदान किया। इसी प्रकार शिवाजी एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई ने पुरुष छात्रावास एवं ऑडिटोरियम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा मैत्रेयी इकाई ने अतिथि गृह एवं प्रशासनिक भवन के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का दायित्व निभाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाई, कचरा उठाया, प्लास्टिक एवं अपशिष्ट पदार्थों का संग्रह किया तथा स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता फैलाने का कार्य भी किया। सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने यह संकल्प लिया कि वे केवल विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं, बल्कि अपने घर, मोहल्ले और गाँवों में भी स्वच्छता की अलख जगाएँगे। स्वच्छता अभियान का नेतृत्व विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने किया। उनके साथ डॉ. आयुष पाठक, साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुश्री गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर. एवं डॉ. वैशाख आर. ने सक्रिय भूमिका निभाई।

चिकित्सा विज्ञान का सबसे प्राचीन और संपूर्ण रूप है आयुर्वेद : वैद्य आकाश चंद्र त्रिपाठी

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत सोमवार को आयुर्वेद के प्रति जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैद्य आकाश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि आयुर्वेद, चिकित्सा विज्ञान का सबसे प्राचीन और संपूर्ण रूप है। इसे केवल घरेलू नुस्खों तक सीमित मानना भ्रांति है। आयुर्वेद उचित आहार, व्यायाम और दिनचर्या के माध्यम से युवाओं को रोगों से बचाव और स्वास्थ्य जीवन की दिशा दिखाता है। वैद्य त्रिपाठी ने कहा कि आयुर्वेद न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का भी संदेश देता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. यामिनी त्रिपाठी ने महिलाओं के स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए श्रीअन्न अत्यंत उपयोगी हैं। ये न केवल पोषण तत्व प्रदान करते हैं बल्कि हार्मोनल संतुलन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने आयुर्वेद में वर्णित रजस्वला परिचर्या के बारे में बताते हुए कहा कि माहवारी के दौरान हल्का व सुपाच्य आहार, पर्याप्त विश्राम और मानसिक शांति महिलाओं के लिए अनिवार्य हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई, और भारद्वाज इकाई के सहयोग से हुए कार्यक्रम में स्वागत डॉ. शांति भूषण और आभार ज्ञापन डॉ मिनी ने किया। इस अवसर पर परिसर में द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. यास्मीन एस., डॉ. श्रीनाथ आर. के मार्गदर्शन में एक लघु औषधि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में 70 से अधिक औषधीय पौधों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ सुमित, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. देवी, डॉ. गोपीकृष्ण आचार्य, डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी सहित संस्थान के सभी प्राध्यापक, चिकित्सक, बीएएमएस विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

निर्माणाधीन परिसर

01 निर्माणाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

01 विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, विजन-2047 के कार्यक्रम में सम्बोधित करते माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी

02 विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, विजन-2047 के कार्यक्रम में स्टॉलों का निरीक्षण करते माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी

03 विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, विजन-2047 के कार्यक्रम में माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी व अन्य

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur